हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 40 ● भिलाई, शुक्रवार 28 अगस्त 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

कर्नाटक में झील में महिला व उसके पांच बच्चों समेत छह लोगों के शव मिले

विजयपुरा। कर्नाटक के विजयपुरा शहर के बाहरी इलाके में भूतनाल झील में एक महिला और उसके पांच बच्चों समेत छह लोगों के शव मिलने से सनसनी फैल गई. हालांकि पुलिस ने जांच शुरू कर दी है, लेकिन मौत का मामला रहस्य बना हुआ है. मृतकों की पहचान जिले के तोरावी गांव के शांतिनगर की शोभा मल्लिकार्जुन जलगेरी (35) और उसके बच्चों विद्या (15 वर्ष), सुवर्णा (13), तिप्पाराया (12), सानिका (10) और विकास (6) के रूप में हुई है. हालांकि मौत का कारण अभी पता नहीं चला है, लेकिन पुलिस ने कहा कि शक है कि पीड़ित किनारे से झील को देखते हुए फिसलकर झील में गिर गए होंगे. पुलिस उपाधीक्षक नागराज, आदर्श नगर थाने के उपनिरीक्षक सीताराम लमानी और अन्य पुलिसकर्मी और फायर ब्रिगेड के लोग घटनास्थल पर पहुंचे और शवों को पानी से बाहर निकाला. अधिकारियों ने बताया कि मल्लिकार्जुन नाम के एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और बच्चों के लापता होने की शिकायत की थी, जिसके बाद सोमवार (24 अगस्त) को विजयपुरा ग्रामीण पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया.

मालदा मेडिकल कॉलेज में 10 नवजात बच्चों की मौत से हड़कंप

मालदा। कोलकाता के मालदा मेडिकल कॉलेज में एक ही दिन में दस नए जन्मे बच्चों की मौत हो गई. कहा जा रहा है कि मेडिकल अधिकारियों ने शुरू में इस मामले को दबाने की कोशिश की थी. मामले की खबर फैलते ही राज्य स्वास्थ्य विभाग ने पूरी रिपोर्ट मांगी, जिससे संस्थान में हंगामा मच गया. यह घटना अगस्त के दूसरे हफ्ते में हुई. 1,120 बेड वाले मालदा मेडिकल कॉलेज परिसर में मदर एंड चाइल्ड हब (मां और बच्चे) के लिए एक खास जगह है, जिसे तृणमूल सरकार के समय मातृमा नाम दिया गया था,जहां प्रसूति और नवजात की देखभाल की जाती है. यह घटना इसी बिल्डिंग में हुई. कहा जा रहा है कि, मेडिकल अधिकारियों ने शुरू में कोई खास चिंता नहीं दिखाई, और ज्यादातर स्टाफ सदस्य को इस स्थिति के बारे में पता नहीं था. स्टैंडर्ड प्रोटोकॉल के तहत, रोजाना जन्म और मृत्यु की रिपोर्ट एक सरकारी पोर्टल पर अपलोड की जाती है.

वैज्ञानिकों ने सैटेलाइट डेटा से किया खुलासा

लगातार बारिश नहीं,एवलांच बना आपदा का मुख्य कारण

नई दिल्ली/ एजेंसी

पड़ोसी देश नेपाल के रसुवा और नुवाकोट जिलों में हाल ही में आई भीषण बाढ़ ने बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे और रिहायशी इलाकों को तबाह कर दिया था। शुरुआत में इसे अत्यधिक मानसूनी बारिश या बादल फटने की घटना माना जा रहा था, लेकिन वैज्ञानिकों और रिमोट सेंसिंग विशेषज्ञों की जांच में वास्तविक कारण कुछ और ही निकला। उच्च-रिजॉल्यूशन सैटेलाइट इमेजरी के अध्ययन से पुष्टि हुई है कि 7,227 मीटर ऊंची लांगतांग लिरुंग चोटी के ऊपरी हिस्से में बड़े पैमाने पर भूगर्भीय हलचल और हिमस्खलन हुआ था, जिसने इस तबाही की पटकथा लिखी। सैटेलाइट विश्लेषण के अनुसार, लांगतांग लिरुंग पर्वत की खड़ी ढलानों पर मौजूद लटकते ग्लेशियर का एक विशाल हिस्सा अचानक भरभराकर नीचे की संकरी घाटी में आ गिरा। ग्लेशियर के टूटने के साथ ही हजारों टन भारी बोल्डर्स, मिट्टी और चट्टानी अवसाद तीव्र गति से नीचे बहा। इस भारी मलबे ने नदी के मुख्य उद्गम और ऊपरी बहाव क्षेत्र में एक अस्थायी प्राकृतिक अवरोध यानी कच्चा बांध तैयार कर दिया, जिसके पीछे विशाल मात्रा में पानी तेजी से जमा होता चला गया। जैसे-जैसे पानी का दबाव बढ़ता गया, मलबे और बर्फ की यह कमजोर दीवार पानी के प्रचंड वेग को संभाल नहीं सकी और अचानक टूट गई। इसके टूटते ही संकरी घाटियों में पानी की कई मीटर ऊंची विशाल लहरें उठीं, जिसने भोटेकोशी और त्रिशूली नदी घाटी

में भयानक फ्लैश फ्लड का रूप ले लिया। पानी के साथ तेज गति से बहे भारी पत्थरों और मलबे ने रास्ते में आने वाले हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट्स, पुलों, पक्की सड़कों और स्थानीय बाजारों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। जलवायु वैज्ञानिकों और पर्यावरणविदों ने चेतावनी दी है कि वैश्विक तापमान में लगातार हो रही वृद्धि के कारण हिमालयी ग्लेशियरों का संतुलन तेजी से बिगड़ रहा है। पहले आए भूकंपों और मौसमीय बदलावों की वजह से लांगतांग क्षेत्र की भूगर्भीय संरचना काफी संवेदनशील हो चुकी है। तापमान के अचानक बढ़ने और चरम मौसमी घटनाओं के चलते ग्लेशियरों के अचानक टूटने और हिमस्खलन की घटनाओं में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है, जो निचले इलाकों के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रही है। वैज्ञानिकों ने इस घटना के बाद जोर देकर कहा है कि हिमालयी नदी घाटियों में जान-माल के नुकसान को कम करने के लिए ग्लेशियरों और संभावित एवलांच जोन की उपग्रहों के जरिए लगातार 24×7 निगरानी जरूरी है। जब तक संवेदनशील ग्लेशियर क्षेत्रों में रडार और अत्याधुनिक अर्ली वार्निंग सिस्टम स्थापित नहीं किए जाते, तब तक सीमावर्ती नदियों के किनारे स्थित ऊर्जा परियोजनाओं, जलविद्युत संयंत्रों और कस्बों पर अचानक आने वाली ऐसी प्राकृतिक आपदाओं का जोखिम बना रहेगा।

नेपाल में बाढ़ एवं भूस्खलन में रायपुर की मोनिका यादव लापता

रायपुर। नेपाल में आई भीषण बाढ़ और भूस्खलन की आपदा के बीच छत्तीसगढ़ सरकार ने वहां मौजूद प्रदेश के नागरिकों की सुरक्षा और सहायता के लिए तत्परता से कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर राज्य सरकार प्रदेश के सभी जिलों से नेपाल गए नागरिकों की जानकारी एकत्रित कर स्थिति की लगातार निगरानी कर रही है। प्रशासनिक आंकड़ों के अनुसार रायपुर जिले के महादेव घाट (थाना डी.डी. नगर) की निवासी सुश्री मोनिका यादव के नेपाल में बाढ़ के बाद से लापता होने की सूचना मिली है। वे 22 अगस्त 2026 से नेपाल प्रवास पर थीं और वर्तमान में परिजनों से उनका संपर्क टूट गया है।

खरगे का प्रधानमंत्री को पत्र

परिसीमन मामले... पर सर्वदलीय बैठक बुलाने का आग्रह दोहराया

नयी दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर आग्रह किया कि परिसीमन के मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए और किसी भी प्रस्ताव को संसद में पेश करने से पहले सभी राजनीतिक दलों तथा राज्य सरकारों को उस पर विस्तार से अध्ययन करने के लिए पर्याप्त समय दिया जाए। खरगे ने पत्र में कहा, मैं अपने पहले के अनुरोध को दोहराना चाहता हूं कि परिसीमन से संबंधित आपके मन में जो भी प्रस्ताव हैं, उन पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाएं और सभी

राजनीतिक दलों तथा राज्य सरकारों को ऐसे प्रस्तावों का अध्ययन करने के लिए पर्याप्त समय दें। कांग्रेस अध्यक्ष ने इस बात का उल्लेख किया कि उन्होंने इससे पहले 16 जुलाई, 2026 को प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर सरकार के परिसीमन संबंधी प्रस्तावों पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने का अनुरोध किया था। खरगे ने कहा कि वह अब इस अनुरोध को दोहरा रहे हैं क्योंकि केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने पिछली रात एक टेलीविजन साक्षात्कार में सार्वजनिक रूप से कहा है कि संसद का विशेष सत्र बुलाया जा सकता है। उन्होंने कहा, शायद यही कारण है कि मानसून सत्र का अभी तक सत्रावसान नहीं किया गया है। खरगे ने कहा कि कांग्रेस का इस मामले पर रुख बिल्कुल स्पष्ट है। उन्होंने परिसीमन को लेकर तीन मांगें रखते हुए कहा कि लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों की संख्या अगले 25 वर्षों तक बरकरार रखी जाए।

तेलंगाना में इलेक्ट्रिक बस और ट्रक की टक्कर, छह लोगों की मौत

हैदराबाद। तेलंगाना के सूर्यापेट जिले में सुबह एक भीषण सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि 12 लोग घायल हो गए। मृतकों में पांच महिलाएं शामिल हैं। हादसा हैदराबाद-विजयवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर कोडाड मंडल क्षेत्र में सुबह करीब 5:15 बजे हुआ। जानकारी के अनुसार, यात्रियों से भरी एक इलेक्ट्रिक बस पीछे से ट्रक में जा घुसी। बस में 43 यात्री सवार थे और यह हैदराबाद से आंध्र प्रदेश के एलुरु जा रही थी। पुलिस के मुताबिक, ट्रक में लोहे के भारी खंभे लदे हुए थे। बस के पीछे से ट्रक में टकराते ही लोहे के खंभों को बांधकर रखने वाली जंजीर टूट गई। इसके बाद कई खंभे बस की दाईं ओर जा घुसे।

विदेश यात्रा पर निकल रहे हैं पीएम मोदी

मोदी कैबिनेट विस्तार के लिए करना होगा अभी और इंतजार

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के द्वारा अपनी टीम का ऐलान करने के बाद अब सबकी निगाहें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा अपनी कैबिनेट के विस्तार को हरी झंडी देने पर टिकी हुई हैं। संसद के मॉनसून सत्र की शुरुआत से पहले भी इसको लेकर खूब अटकलें लगीं, लेकिन इसे अंतिम रूप नहीं दिया गया। अब एकबार फिर ऐसी अटकलबाजियां शुरू हो चुकी हैं। हालांकि इस सबके बीच प्रधानमंत्री मोदी दो देशों की विदेश यात्रा पर रवाना

होने वाले हैं। इसकी वजह से फिर एकबार कैबिनेट विस्तार कुछ दिनों के लिए टलता दिख रहा है। आपको बता दें कि पीएम मोदी 31 अगस्त से एक सितंबर के बीच किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में आयोजित होने वाले शंघाई सहयोग संगठन के 26वें वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। इसमें एससीओ में शामिल देशों के राष्ट्राध्यक्ष शामिल होंगे। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 अगस्त को उज्बेकिस्तान की राजकीय यात्रा पर रवाना होंगे। यूरेशिया क्षेत्र में भारत की प्राथमिकताओं को रेखांकित करने के लिहाज से इन दोनों मध्य एशियाई देशों का यह दौरा कई कारणों से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की इस शिखर सम्मेलन में व्यक्तिगत रूप से मौजूद रहेंगे। आपको बता दें कि भारत के लिए एससीओ एक ऐसा महत्वपूर्ण मंच है।

कानपुर में विमान दुर्घटना

प्रशिक्षु पायलट समेत दो लोगों की मौत.....

कानपुर। कानपुर में बृहस्पतिवार को एक विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से उस पर सवार एक प्रशिक्षु पायलट समेत दो लोगों की मौत हो गयी। पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने 'पीटीआई—भाषा' को बताया कि गंगा के किनारे नाथपुरवा गांव के पास इटली में बने 'टेक्नम' प्रशिक्षण विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से उस पर सवार गुजरात के निवासी प्रशिक्षक सचिन भाटिया और कर्नाटक के प्रशिक्षु पायलट अभिषेक पुजारी की मौत हो गयी। लाल ने बताया कि 'गर्ग एविएशन' द्वारा संचालित इस विमान ने पूर्वाह्न करीब 11 बजकर 30 मिनट पर उड़ान भरी थी और लगभग 20 मिनट के बाद वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। उन्होंने बताया कि भाटिया को करीब तीन हजार घंटे उड़ान भरने का अनुभव था। लाल ने बताया कि इस घटना के बाद पुलिस और दमकल विभाग के कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचे और इलाके की घेराबंदी कर जांच के लिए सुबूत सुरक्षित रखने के मकसद से मलबे को कब्जे में ले लिया। पुलिस आयुक्त ने बताया कि विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारणों का तुरंत पता नहीं चल सका है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि नागर उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए)

इस कठिन समय में भारत नेपाल के साथ पूरी तरह से खड़ा है मुख्यमंत्री रेखा

नयी दिल्ली: नेपाल में अचानक आई बाढ़ से मची तबाही के बीच दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत इस कठिन समय में पड़ोसी देश के साथ खड़ा है। गुप्ता ने कहा कि नेपाल में एक दर्दनाक त्रासदी हुई है और उसे हर संभव मदद दी जाएगी। गुप्ता ने संवाददाताओं से कहा, इस कठिन समय में भारत नेपाल के साथ मजबूती से खड़ा है। देश में एक दर्दनाक त्रासदी हुई है, नेपाल को हर संभव मदद दी जाएगी। मैं नेपाल के सभी निवासियों की सुरक्षा और राहत के लिए प्रार्थना करती हूं। उन्होंने कहा, मैं भगवान पशुपतिनाथ से भी प्रार्थना करती हूं कि नेपाल को दुख की इस घड़ी से उबरने की शक्ति दें ।

रेल सुरंग में ट्रैक पर टहलता दिखा तेंदुआ

कर्मचारियों में दहशत का माहौल लोको पायलट ने बनाया वीडियो

गौरेला पेण्ड्रा। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर रेल मंडल अंतर्गत खोंगसरा-भनवारटंक रेलखंड की एक सुरंग में तेंदुए की मौजूदगी से दहशत फैल गई। सुरंग के भीतर रेलवे ट्रैक पर आराम से टहलते तेंदुए का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। जानकारी के मुताबिक, सुरंग के भीतर घूम रहे तेंदुए पर सबसे पहले एक रेलवे ड्राइवर की नजर पड़ी। इसके बाद सूचना मिलने पर वहां से गुजर रही ट्रेन के लोको पायलट ने अपने मोबाइल

से तेंदुए का वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। वीडियो में तेंदुआ रेलवे ट्रैक के ठीक बीचो बीच चलता हुआ साफदिखाई दे रहा है। सुरंग में तेंदुए की एंट्री के बाद से ट्रैक मेंटेनेंस और गश्त में तैनात रेलवे कर्मचारियों की चिंता बढ़ गई है। कर्मचारियों का कहना है कि घने जंगलों और पहाड़ी ढलानों से घिरे इस कठिन भूगोल में उन्हें पैदल गश्त और मरम्मत का काम करना पड़ता है। ऐसे में हिंसक वन्यजीवों की मौजूदगी उनकी जान के लिए बड़ा खतरा बन सकती है। मामला सामने आने के बाद वन विभाग ने क्षेत्र में गश्त और निगरानी बढ़ा दी है। विभाग की ओर से रेलवे कर्मचारियों और वन्यजीवों दोनों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। ?रेलवे और वन विभाग के समन्वय से संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग उठ रही है।

छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू की दस्तक

दुर्ग-बिलासपुर में 13 मरीज मिले अस्पताल अलर्ट पर

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के दुर्ग और बिलासपुर जिलों मेंस्वाइन फ्लू के 13 मरीज मिले हैं। स्वास्थ्य विभाग ने दोनों जिलों के अस्पतालों को अलर्ट पर रख दिया है। दुर्ग जिले में स्वाइन फ्लू के कुल छह मरीज मिले हैं। राहत की बात यह है कि इनमें से चार मरीज पूरी तरह स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं। वर्तमान में दो संक्रमितों का उपचार चल रहा है, जिनमें से एक का इलाज एम्स रायपुर और दूसरे का सेक्टर-9 अस्पताल में जारी है। जिला अस्पताल में संदिग्ध रोगियों के लिए अलग आइसोलेशन वार्ड तैयार किया गया है। बिलासपुर जिले में स्वाइन फ्लू (एच1एन1) के सात मरीज सामने आए हैं। इनमें से पांच मरीज ठीक होने के बाद डिस्चार्ज हो चुके हैं। फिलहाल दो मरीजों का इलाज शहर के अपोलो अस्पताल में चल रहा है। भर्ती संक्रमितों में एक 75 वर्षीय महिला भी शामिल हैं। उनकी स्थिति अब खतरे से बाहर बताई जा रही है और उन्हें आईसीयू से बाहर लाया गया है। एक अन्य 30 वर्षीय मरीज की रायपुर यात्रा का विवरण मिला है। इन दिनों अस्पतालों में सर्दी, खांसी और तेज बुखार के लक्षणों वाले मरीज लगातार पहुंच रहे हैं। स्वाइन फ्लू के बढ़ते खतरे को

देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने संदिग्धों की त्वरित जांच और निगरानी के निर्देश दिए हैं। विभाग ने आम जनता को सावधानी बरतने और लक्षण दिखते ही चिकित्सकीय परामर्श लेने की सलाह दी है। विशेषकर उन लोगों को अधिक सतर्क रहने को कहा गया है जो संक्रमण से प्रभावित क्षेत्रों की यात्रा कर चुके हैं या किसी मरीज के संपर्क में आए हैं। जिला अस्पताल में स्वाइन फ्लू के संभावित मरीजों को अलग रखने और उपचार की व्यवस्था के लिए आइसोलेशन वार्ड तैयार किया गया है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से लोगों से सावधानी बरतने और लक्षण दिखाई देने पर समय पर चिकित्सकीय जांच कराने की अपील की गई है। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में भी स्वाइन फ्लू के 7 मरीज मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर है। इनमें से 2 मरीजों का इलाज शहर के अपोलो हॉस्पिटल में जारी है, जबकि 5 मरीज स्वस्थ होने के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज हो चुके हैं।अस्पताल में भर्ती मरीजों में एक 75 वर्षीय महिला भी शामिल हैं।

खैरागढ़ जिले में स्वाइन फ्लू की दस्तक, 4 वर्षीय बालक एच1एन1 पॉजिटिव

खैरागढ़। खैरागढ़ जिले के छुईखदान क्षेत्र में स्वाइन फ्लू एच1एन1 का मामला सामने आने से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। नगर के वार्ड नंबर 9 स्थित कन्हरापारा निवासी 4 वर्षीय बालक कन्हैया चंद्राकर की एच1एन1 जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। बालक का फिलहाल राजनांदगांव के संजीवनी अस्पताल में उपचार चल रहा है। मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने संक्रमण की संभावित रोकथाम के लिए क्षेत्र में सर्वे, जांच और जागरूकता अभियान शुरू कर दिया है। जानकारी के मुताबिक, कन्हरापारा निवासी उद्धव चंद्राकर के 4 वर्षीय पुत्र कन्हैया की तबीयत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे राजनांदगांव के संजीवनी अस्पताल में भर्ती कराया था। उपचार के दौरान चिकित्सकों ने आवश्यक जांच कराई, जिसमें बालक के एच1एन1 संक्रमित होने की पुष्टि हुई।

पहले दिखाओ पेपर,तब आने देंगे अंदर...

अभिषेक और कोलकाता पुलिस में तीखी भिड़ंत?

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की विपक्षी पार्टी तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी और कोलकाता पुलिस के बीच आज (गुरुवार, 27 अगस्त को) उस वक्त तीखी भिड़ंत हो गई, जब पुलिस और कोलकाता नगर निगम के अधिकारियों की एक टीम उनके कैमैक स्ट्रीट स्थित दफ्तर से टीएमसी के बिलबोर्ड (होर्डिंग्स) हटाने के लिए वहां पहुंची थी। बनर्जी ने इस कदम पर आपत्ति जताई और अधिकारियों से उस आदेश की कॉपी और उस शिकायत पत्र को दिखाने को कहा जिसके आधार पर यह कार्रवाई की जा रही थी। इसी मुद्दे

पर दोनों पक्षों के बीच काफी देर तक बहस होती रही। इससे वहां हंगामे की स्थिति बन गई। टीएमसी सांसद ने आरोप लगाया कि कोलकाता पुलिस के अधिकारी गैर-कानूनी तरीके से उनके कार्यालय परिसर में घुसने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि, सांसद के विरोध करने के बाद पुलिस औरकेएमसी अधिकारी वहां से चले गए।

बंद जगह पर जातिसूचक गाली देना SC/ST Act के तहत अपराध नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार (20.08.2026) को अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 (SC/ST Act) की धारा 3(2)(r) और 3(1)(s) के तहत चल रही कार्यवाही रद्द की। यह मामला स्कूल मैनेजर के खिलाफदर्ज किया गया, जिस पर दो छात्रों के पिता के साथ मारपीट करने और जातिसूचक गालियां देने का आरोप था। सुप्रीम कोर्ट ने यह कहते हुए मामला रद्द किया कि कथित बातें एक बंद कमरे में कही गईं, जहां आम जनता की पहुंच नहीं थी, इसलिए कानून की ज़रूरी शर्तों को पूरा नहीं किया गया।

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। हाईकोर्ट ने SC/ST Act की धारा 14 (1) के तहत अपीलकर्ता की अपील खारिज की थी। अपीलकर्ता उस स्कूल का मैनेजर था जहां प्रतिवादी (R2) के बेटे पढ़ते थे। दो छात्रों के बीच झगड़े के बाद R2 अपीलकर्ता के पास गया। आरोप है कि अपीलकर्ता ने स्कूल स्टाफके साथ मिलकर उसके साथ मारपीट की और जातिसूचक गालियां दीं। अपीलकर्ता के खिलाफ भारतीय दंड संहिता, 1860 (IPC, अब भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 191, 115 और 352) की धारा 147, 323, 342 और 504 और (SC/ST Act) की धारा 3(1)(r) और 3(1)(s) के तहत स्रद्धक दर्ज की गई। उसके खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई और स्पेशल जज ने मामले का संज्ञान लिया।

गौरतलब है कि उसी दिन अपीलकर्ता की पत्नी ने भी R2 के खिलाफएक क्रॉस-FIR दर्ज कराई। आरोप था कि R2 ने स्कूल ऑफिस में उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट की थी, जिसके बाद अपीलकर्ता ने बीच-बचाव किया और खुद भी मारपीट का शिकार हुआ। R2 के खिलाफ भी चार्जशीट दाखिल की गई और मामले का संज्ञान लिया गया। अपीलकर्ता ने इलाहाबाद हाई कोर्ट में स्पेशल जज के समन जारी करने के आदेश को चुनौती दी। हाईकोर्ट ने उनकी याचिका खारिज करते हुए कहा कि सिर्फ़ इसलिए कि यह मामला जवाबी कार्रवाई (counterblast) के तौर पर दर्ज किया गया, इसे रद्द करने का आधार नहीं बनाया जा सकता; और उपलब्ध सबूतों के आधार पर प्रथम दृष्टया (prima facie) मामला बनता है। हाई कोर्ट के इस फ़ैसले से असंतुष्ट होकर अपीलकर्ता सुप्रीम कोर्ट पहुंचा।

सुप्रीम कोर्ट के सामने अपीलकर्ता ने तर्क दिया कि हाईकोर्ट ने यह मानने में गलती की थी कि घटना सार्वजनिक दृश्यता (public view)

वाले स्थान पर हुई थी। यह दलील दी गई कि गवाहों के बयानों से यह साबित नहीं होता कि घटना के समय कमरे के अंदर कोई मौजूद था, और कमरा बंद था, जिसमें न तो कोई खिड़की थी और न ही वहां आम लोगों की पहुंच थी। यह भी कहा गया कि FIR में अपीलकर्ता पर जाति-आधारित अपशब्द कहने का कोई विशिष्ट आरोप नहीं था, और उसे पीड़ित की जाति के बारे में पहले से कोई जानकारी नहीं थी।

इसके विपरीत, प्रतिवादी ने हाईकोर्ट के फ़ैसले का हवाला देते हुए तर्क दिया कि घटना सार्वजनिक दृश्यता वाले स्थान पर हुई थी और रिकॉर्ड पर ऐसा मामला साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत मौजूद थे। SC/ST Act की धारा 3(1)(r) और 3(1)(s) पर विचार करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मुख्य सवाल यह था कि क्या रिकॉर्ड पर मौजूद सबूतों से यह पता चलता है कि कथित जाति-आधारित अपशब्द सार्वजनिक दृश्यता वाले स्थान पर कहे गए।

'करुप्पुदयार बनाम राज्य (प्रतिनिधित्व: डिप्टी सुपरिंटेंडेंट ऑफ़ पुलिस, लालगुडी, त्रिची) व अन्य' और **'हितेश वर्मा बनाम उत्तराखंड राज्य'** मामलों में अपने फ़ैसलों का हवाला देते हुए बेंच ने दोहराया, "इस प्रकार यह देखा जा सकता है कि 'सार्वजनिक दृश्यता वाले स्थान' के लिए, वह स्थान खुला होना चाहिए जहां आम लोग आरोपी द्वारा पीड़ित के प्रति कहे गए शब्दों को देख या सुन सकें। यदि कथित अपराध चार दीवारों के भीतर होता है जहां आम लोग मौजूद नहीं हैं, तो यह नहीं कहा जा सकता कि यह सार्वजनिक दृश्यता वाले स्थान पर हुआ है।

इसे लागू करते हुए कोर्ट ने पाया कि FIR में यह नहीं कहा गया था कि कथित अपशब्द आम लोगों की उपस्थिति या उनकी जानकारी में कहे गए। कोर्ट ने यह भी गौर किया कि न तो FIR में और न ही R2 (दूसरे प्रतिवादी) के बयानों में जाति-आधारित अपशब्द कहने का कोई विशिष्ट आरोप लगाया गया।

बेंच ने कहा, अभियोजन पक्ष ने जिन सबूतों का सहारा लिया, उनसे ज़्यादा-से-ज़्यादा यही पता चलता है कि दोनों पक्षों के बीच झगड़ा और हाथापाई हुई। उनसे अपील करने वाले व्यक्ति द्वारा जाति-आधारित कोई खास बात कहे जाने का पता नहीं चलता।

गवाहों (स्कूल शिक्षकों) के बयानों की जांच करते हुए कोर्ट ने पाया कि हालांकि उन्होंने बहस और हाथापाई का ज़िक्र किया, लेकिन उनमें से किसी ने भी यह नहीं कहा कि वे उस समय वहां मौजूद थे जब कथित तौर पर जाति-आधारित अपशब्द कहे गए या उन्होंने उन्हें सुना।

कोर्ट ने कहा, इसलिए स्कूल परिसर में उनकी मौजूदगी मात्र से यह साबित नहीं होता कि कथित बात सार्वजनिक रूप से कही गई। बेंच ने साफ़ किया कि हालांकि कोर्ट को मामले का संज्ञान लेने के चरण में सबूतों की बारीकी से जांच करने की ज़रूरत नहीं है, लेकिन अपराध के मुख्य तत्व कोर्ट के सामने पेश किए गए सबूतों से सामने आने चाहिए।

यह मानते हुए कि (SC/ST Act) के तहत अपराध प्रथम दृष्टया नहीं बनते हैं, सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट का फ़ैसला रद्द किया और एक्ट के तहत चल रही कार्यवाही को भी ख़त्म किया। हालांकि, कोर्ट ने साफ़ किया कि IPC के तहत अपराधों से जुड़ी कार्यवाही जारी रहेगी।

साइबर जागरूकता अभियान : बैंक, स्कूल और साप्ताहिक बाजार में दिया डिजिटल ठगी से बचाव का संदेश

जिला सहकारी बैंक, जोरा हाई सेकेंडरी स्कूल और रोहिना बाजार में लगा जागरूकता शिविर

रायपुर। बढ़ते डिजिटल युग में जहां ऑनलाइन सुविधाएं बढ़ी हैं, वहीं डिजिटल ठगी और साइबर अपराध के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए थाना प्रभारी उप निरीक्षक शिवकुमार धारी के नेतृत्व में नगर पंचायत भटगांव में एक विशेष साइबर जागरूकता अभियान चलाया गया। जहां इस अभियान के तहत पुलिस टीम ने नगर पंचायत भटगांव के जिला सहकारिता बैंक, ग्राम जोरा के शासकीय हाई सेकेंडरी स्कूल तथा रोहिना के साप्ताहिक बाजार में जाकर बैंक कर्मचारियों, स्कूली बच्चों एवं गणमान्य नागरिकों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया। साथ ही कार्यक्रम में साइबर सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी गई तथा साइबर अपराध से बचाव के लिए राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 तथा आधिकारिक पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। अभियान की संपूर्ण जानकारी को राज्य सरकार द्वारा जारी लिंक पर अपलोड भी किया गया। वही अभियान की शुरुआत जिला सहकारिता बैंक, भटगांव शाखा से हुई। थाना प्रभारी शिवकुमार धारी ने बैंक के कर्मचारियों और वहां मौजूद खाताधारकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा बैंक से जुड़ी ठगी आज सबसे ज्यादा हो रही है। ठग खुद को बैंक अधिकारी बताकर फोन करते हैं और कहते हैं कि आपका केवाईसी बंद हो गया है, आपका खाता ब्लॉक हो जाएगा, ओटीपी बताइए। याद रखिए, कोई भी असली बैंक अधिकारी कभी भी फोन पर ओटीपी, सीवीवी या पासवर्ड नहीं मांगता। उन्होंने कर्मचारियों से अपील की कि वे गांव से आने वाले बुजुर्ग और कम पढ़े-लिखे ग्राहकों को भी इस बारे में समझाएं। बैंक में आए कई किसानों ने बताया कि उन्हें भी लोन माफी और लॉटरी के नाम पर फोन आते हैं। जहां पुलिस ने बताया कि अनजान लिंक पर क्लिक न करें। अभियान का दूसरा चरण ग्राम जोरा के शासकीय हाई सेकेंडरी स्कूल में आयोजित हुआ। यहां कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं को साइबर सुरक्षा की पाठशाला पढ़ाई गई। थाना प्रभारी धारी ने बच्चों को बेहद सरल भाषा में समझाया कि सोशल मीडिया का उपयोग कैसे सुरक्षित तरीके से करें। उन्होंने कहा आप सभी इंस्टाग्राम, फेसबुक, व्हाट्सएप का उपयोग करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपकी एक छोटी सी गलती से आपका अकाउंट हैक हो सकता है? अनजान व्यक्ति से दोस्ती, अपनी निजी फोटो किसी को भेजना, फ्री गेम या फ्री रिचार्ज के लालच में लिंक पर क्लिक करना बहुत खतरनाक हो सकता है। फर्जी लिंक और लॉटरी आपको 50 हजार का इनाम लगा है ऐसे मैसेज पर भरोसा न करें। सोशल मीडिया अपनी निजी फोटो, स्कूल का नाम, घर का पता पब्लिक में शेयर न करें। प्रोफाइल को प्राइवेट रखें। साइबर बुलिंग यदि कोई ऑनलाइन परेशान करे, तो तुरंत अपने माता-पिता और शिक्षक को बताएं और 1930 पर शिकायत करें। गेमिंग ठगी गेम में पैसे दोगुना करने के चक्कर में न पड़ें।

दंतेवाड़ा में गूंजी शिक्षकों की आवाज टीईटी मुक्ति रैली निकालकर सौंपा ज्ञापन

दंतेवाड़ा। समस्त शिक्षक साथियों के आह्वान पर संयुक्त शिक्षक मोर्चा के बैनर तले आज जिला मुख्यालय दंतेवाड़ा में टीईटी मुक्ति रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में जिले के सैकड़ों शिक्षक-शिक्षिकाओं ने एकजुटता का परिचय देते हुए भाग लिया। सुबह से ही शिक्षक हाथों में तख्ती, बैनर और पोस्टर लेकर धरना स्थल पर जुटने लगे। रैली की शुरुआत शहर के दुर्गा पंडाल धरना स्थल से हुई, जो मुख्य मार्गों से होते हुए कलेक्टर कार्यालय पहुंची। इस दौरान पूरा जिला मुख्यालय शिक्षकों के नारों से गूंज उठा। शिक्षकों ने टीईटी हटाओ - सेवा बचाओ, शिक्षक एकता जिंदाबाद - टीईटी मुक्ति जिंदाबाद और शिक्षक का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान जैसे जोरदार नारे लगाए। रैली के कलेक्टर कार्यालय पहुंचने के बाद शिक्षकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। शिक्षकों का कहना है कि वर्षों से सेवा दे रहे अनुभवी शिक्षकों पर टीईटी की अनिवार्यता थोपना न्यायसंगत नहीं है, यह उनके सम्मान और सेवा सुरक्षा पर सीधा आघात है। ज्ञापन में शिक्षकों ने अपनी प्रमुख मांगों को रखते हुए कहा कि कार्यरत शिक्षकों पर टीईटी की अनिवार्यता समाप्त की जाए, 28 वर्षों की पूर्व सेवा की गणना करते हुए पेंशन सुरक्षा सुनिश्चित की जाए और उन्हें केंद्रीय वेतनमान का लाभ दिया जाए। साथ ही शिक्षकों के लिए ब्रिज कोर्स का रास्ता खोले जाने और विसंगतिपूर्ण नए नियम को वापस लेकर शिक्षक हित में न्याय करने की मांग भी प्रमुखता से रखी गई।

नारायणपुर-अंतागढ सड़क को लेकर समिति एवं परिवहन पदाधिकारियों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

नारायणपुर। नारायणपुर से अंतागढ़ तक लगभग 50 किलोमीटर लंबी सड़क की गंभीर जर्जर स्थिति को लेकर राजाराव माइंस श्रमिक विकास समिति रावघाट उत्तर बस्तर कांकेर एवं बुद्धदेव अंजरेल माइंस श्रमिक विकास समिति नारायणपुर सहित राजाराव बुद्धदेव गोदग्राम श्रमिक विकास समिति रावघाट जिला नारायणपुर के पदाधिकारियों और सदस्यों ने अंतागढ़ एसडीम कार्यालय पहुंचकर एसडीएम राहुल रजक को ज्ञापन सौंपा। समिति ने सड़क की तत्काल मरम्मत, नियमित मेंटेनेंस तथा आवागमन व्यवस्था को सुचारु कराने की मांग की है। समिति के पदाधिकारियों का कहना है कि नारायणपुर-अंतागढ़ मार्ग लंबे समय से रखरखाव और मरम्मत के अभाव में लगातार खराब होता जा रहा है। सड़क के कई हिस्सों में बड़े-बड़े गड्ढे, कीचड़ और क्षतिग्रस्त हिस्से होने के कारण वाहन चालकों एवं आम नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क की स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि बसों एवं अन्य यात्री वाहनों का नियमित आवागमन भी प्रभावित हो गया है।इस अवसर पर समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित थे।

कलेक्टर ने सुदूरवर्ती ग्राम बैहासाल्हेभाट में लगाई चौपाल, जमीन पर बैठकर सुनीं समस्याएं

कांकेर। कलेक्टर कुंदन कुमार ने जिले के सुदूरवर्ती इलाकों का भ्रमण कर अंतिम छोर में शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत जानी तथा ग्रामीणों की दीर्घकालिक समस्याओं की जानकारी ली। इसी क्रम में वे अंतागढ़ विकासखंड के बीहड़ क्षेत्र में स्थित ग्राम पंचायत बैहासाल्हेभाट पहुंचे, जहां उन्होंने ग्रामीणों के बीच जमीन पर बैठकर चौपाल लगाई और बारी-बारी से उनकी समस्याओं और मांगों को संजीदगी के साथ सुना। इस दौरान कलेक्टर ने ग्रामीणों से रु ब रु होते हुए कहा कि राज्य शासन की जनहितकारी नीतियों का अंतिम छोर में पहुंच सुनिश्चित कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए गंभीरता के साथ हरसंभव ईमानदार प्रयास किए जाएंगे। ग्रामीणों को कलेक्टर ने यह भी कहा कि उनके गांव बैहासाल्हेभाट को मॉडल विलेज (आदर्श ग्राम) के रूप में विकसित किया जाएगा और इसके लिए सभी अधिकारियों को ग्रामीणों के बीच जाकर उनकी प्रत्येक समस्या से अवगत होने के लिए निर्देशित किया गया है। इसके अलावा उन्होंने अंतागढ़ से नारायणपुर सड़क के गुणवत्तापूर्ण निर्माण में तेजी लाने, नवीन आंगनबाड़ी केंद्र भवन स्वीकृत करने, नदी पर एनीकट निर्माण, स्थानीय शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार दिलाने, महतारी सदन स्वीकृत करने जैसी सभी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक सकारात्मक पहल करने व आवश्यकतानुसार शासन को प्रस्ताव प्रेषित करने की बात कही। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी, अपर कलेक्टर अंतागढ़ ए एस पैकरा, एसडीएम अंतागढ़ राहुल रजक सहित ब्लॉक स्तर के अधिकारीगण उपस्थित थे।

अंतागढ़-नारायणपुर मार्ग मरम्मत कार्य का लिया जायजा, दिए जरूरी निर्देश

इसके पहले, कलेक्टर कुंदन कुमार ने ब्लॉक मुख्यालय अंतागढ़ से नारायणपुर के बीच राजकीय राजमार्ग क्रमांक 05 पर चल रहे चौड़ीकरण और मरम्मत कार्य का मौका मुआयना किया। उन्होंने अंतागढ़ से रावघाट प्रोजेक्ट मार्ग के बीच चल रहे कार्य का जायजा लेते हुए निर्माण कार्य में लगी गाड़ियों की संख्या 10 से बढ़ाकर तत्काल 30 करने, साथ ही इन वाहनों को सड़क के प्रारंभिक, अंतिम और मध्य जगहों पर संलग्न करने के सख्त निर्देश कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग और संबंधित ठेकेदार को दिए, ताकि निर्माण कार्य द्रुतगति से पूर्ण हो सके। स्थानीय लोगों की आवाजाही की समस्या को दृष्टिगत रखते हुए सड़क मरम्मत का कार्य जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश कार्यपालन अभियंता को दिए, साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर किसी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मूलभूत सुविधाओं को तरसते ग्रामीण : कांकेर में खनिज न्यास निधि से फल-फूल रहा 'टीना शेड सिंडिकेट'

कांकेर। पंचायती राज व्यवस्था में ग्रामसभा को गांव के विकास की मुख्य धुरी और सर्वोच्च प्राथमिकता माना गया है। नियमानुसार, किसी भी गांव में सीसी रोड, नाली निर्माण, पेयजल और अन्य मूलभूत आवश्यकताओं के प्रस्ताव ग्रामीणों द्वारा ग्रामसभा में पारित किए जाते हैं। लेकिन कांकेर जिले की कई ग्राम पंचायतों में यह संवैधानिक व्यवस्था पूरी तरह बेपटरी नजर आ रही है। ग्रामीणों की वाजिब और गंभीर जरूरतों को ताक पर रखकर, अधिकारियों, कर्मचारियों और बिचौलियों की कथित सांठगांठ से ऐसे गैर-जरूरी निर्माण कार्य स्वीकृत कराए जा रहे हैं, जिनकी मांग ग्रामीणों ने कभी की ही नहीं। जिले में जिला खनिज न्यास निधि का मूल उद्देश्य खनन प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाएं जैसे पेयजल, स्वास्थ्य, सड़क और शिक्षा उपलब्ध कराना है। इसके विपरीत, कांकेर में इस राशि का उपयोग कागजी प्रस्तावों के आधार पर टीना शेड निर्माण जैसे कार्यों में किया जा रहा है। सूत्रों व ग्रामीणों के अनुसार, जिला पंचायत के बाबुओं और चुनिंदा ठेकेदारों की मिलीभगत से एक पूरा सिंडिकेट काम कर रहा है। आरोप है कि स्वीकृत राशि की आधी लागत में टीना शेड बनकर तैयार हो जाता है और बाकी की भारी-भरकम राशि अधिकारी, कर्मचारी और ठेकेदार आपस में डकार रहे हैं। चहेते ठेकेदारों को काम बांटकर कमीशनखोरी का खेल धड़ल्ले से जारी है।

कीचड़ में चलने को मजबूर ग्रामीण, पीने के पानी का संकट

एक तरफ जहां कागजी टीना शेडों के नाम पर करोड़ों रुपये बहाए जा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ बारिश के मौसम में गांवों की जमीनी हकीकत बदतर हो चुकी है। गांव की अंदरूनी गलियां कीचड़ से पटी पड़ी हैं, जिससे पैदल चलना भी दूभर हो गया है। लोग शुद्ध पेयजल के लिए तरस रहे हैं। ग्राम पंचायत जातावड़ा के आश्रित ग्राम उत्तमार में आज गलियां पूरा कीचड़ से भरा हुआ है।

बिना मांग के स्वीकृत हुए लाखों-करोड़ों के टीना शेड

कांकेर जिले भानुप्रतापपुर ब्लॉक के विभिन्न ग्राम पंचायतों में बिना ग्रामसभा अनुमोदन और बिना जन-मांग के स्वीकृत किए गए कार्यों का ब्योरा चिंताजनक है। ग्राम पंचायत भैंसाकन्हार 'क': 3 टीना शेड कुल लागत 60 लाख, ग्राम पंचायत चवेलाः टीना शेड निर्माण लागत 50 लाख, ग्राम पंचायत साल्हेः टीना शेड निर्माण लागत 40 लाख, ग्राम पंचायत ईरागांवः टीना शेड निर्माण लागत 40 लाख, ग्राम पंचायत घोटियाः टीना शेड निर्माण लागत 20 लाख, ग्राम पंचायत करमोतीः टीना शेड निर्माण लागत 20 लाख, ग्राम पंचायत केवटीः बाजार शेड लागत 20 लाख, ग्राम पंचायत केवटी आश्रित ग्राम हरहरपानी, टीना शेड लागत 10 लाख, ग्राम पंचायत पेवारी आश्रित ग्राम कुआपानी टीना शेड लागत 20 लाख, ग्राम पंचायत कुल्हाड़कट्टा आश्रित ग्राम रानवाही टीना शेड लागत 20 लाख का बनाया जा रहा है।

जनप्रतिनिधि खुद को असहाय महसूस कर रहे हैं

विदयावती कावड़े सरपंच, ग्राम पंचायत घोटा जब से जनप्रतिनिधि बने हैं, गांव के मोहल्लों के लिए सीसी सड़क, नाली और बोर खनन (पेयजल) की मांग कर रहे हैं। लेकिन हमारी मांगों पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। जब गांव की जनता सवाल पूछती है, तो हमारे पास कोई जवाब नहीं होता। सिया राम उइके सरपंच, ग्राम पंचायत जातावड़ा ग्राम सभा में सीसी सड़क, नाली और बोर खनन का प्रस्ताव पास कर हम पूर्व कलेक्टर के पास भी गए थे। लेकिन हमें कहा गया कि सीसी सड़क निर्माण बंद हो गया है। आज दो साल बीतने को हैं, गांव में एक भी जरूरी काम स्वीकृत नहीं हुआ और गलियां कीचड़ से भरी हैं।

नए कलेक्टर से उच्चस्तरीय जांच की उम्मीद

ग्रामीणों का स्पष्ट आरोप है कि पूर्व कलेक्टर नीलेश कुमार महादेव क्षीरसागर के कार्यकाल में जनसमस्याओं और मूलभूत सुविधाओं को छोड़कर केवल टीना शेड जैसे निर्माण कार्यों पर ध्यान केंद्रित रखा गया। अब जिले में नए कलेक्टर कुंदन कुमार के पदभार संभालने के बाद ग्रामीणों में न्याय की आस जगी है। जनप्रतिनिधियों ने मांग की है कि फर्जी और नियम-विरुद्ध तरीके से पारित कराए गए प्रस्तावों और स्वीकृत टीना शेड निर्माणों की तत्काल उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। साथ ही, खनिज न्यास निधि की राशि का दुरुपयोग रोककर उसे गांवों की वास्तविक समस्याओं के समाधान में लगाया जाए।

संक्षिप्त समाचार

कार को मॉडिफाइड कराना पड़ा भारी, चालक पर 16 हजार का जुर्माना

दुर्ग। यातायात नियमों का उल्लंघन कर बिना नंबर, ब्लैक फिल्म और अनधिकृत मॉडिफिकेशन वाली कार चलाना चालक को भारी पड़ गया। दुर्ग यातायात पुलिस ने सेंट्रल एवेन्यू मार्ग पर चेकिंग के दौरान कार को पकड़ा। जांच में चालक के पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन के जरूरी दस्तावेज भी नहीं मिले। पुलिस के अनुसार, 24 अगस्त को शाम 6 बजे से रात 12 बजे तक सेंट्रल एवेन्यू मार्ग पर विशेष वाहन जांच अभियान चलाया गया था। इसी दौरान टीम ने एक कार को रोककर जांच की। कार बिना नंबर के चल रही थी और उसके शीशों पर नियमों के विपरीत ब्लैक फिल्म लगी थी। इसके अलावा वाहन में कई तरह के अनधिकृत मॉडिफिकेशन भी किए गए थे। पुलिस ने चालक से मॉडिफिकेशन के लिए आरटीओ की अनुमति मांगी, लेकिन वह कोई अनुमति प्रस्तुत नहीं कर सका। जांच में उसके पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन के आवश्यक दस्तावेज भी नहीं मिले। इसके बाद पुलिस ने कार जब्त कर मामला न्यायालय में पेश किया। न्यायालय ने विभिन्न यातायात नियमों के उल्लंघन पर चालक को 16 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। कार्रवाई के दौरान कार के शीशों से ब्लैक फिल्म भी हटवाई गई।

छत्तीसगढ़ में सोना खोजेगी वेदांता, पहली बार हो रहा पोर्टेबल रिग का इस्तेमाल

रायपुर। दिग्गज कारोबारी अनिल अग्रवाल की कंपनी वेदांता लिमिटेड ने देश में सोने की खोज की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने सोने के साथ-साथ निकल और क्रोमियम जैसे क्रिटिकल मिनरल्स तथा प्लेटिनम ग्रुप के एलिमेंट्स को खोजने के लिए एक हाई स्पीड हाइड्रोस्टैटिक पोर्टेबल रिग कमीशन किया है। छत्तीसगढ़ में दो प्रोजेक्ट में इस इक्विपमेंट को तैनात किया गया है। कंपनी ने सोमवार को एक बयान में कहा कि यह देश का पहला हाई-स्पीड हाइड्रोस्टैटिक पोर्टेबल रिग है और इसे मुश्किल इलाकों में एक्सप्लोरेशन के लिए डिजाइन किया गया है। यह 1,000 मीटर की गहराई तक खुदाई कर सकता है। साथ ही इसकी मदद से उपकरणों को एक जगह से दूसरी जगह मूव करने में कम समय लगता है। वेदांता ने कहा कि हाई-स्पीड हाइड्रोस्टैटिक पोर्टेबल रिग की तैनाती का मकसद मिनरल रिजर्व की खोज में तेजी लाना है। साथ ही इसे सुरक्षा और ऑपरेशनल क्षमता भी बेहतर होगी। कंपनी का कहना है कि उसे 10 क्रिटिकल मिनरल्स ब्लॉक मिले हैं। इनमें सोना, मैगनीज, कॉपर, निकिल-क्रोमियम, टंगस्टन, ग्रेफाइट, वैनेडियम, रेयर अर्थ एलिमेंट्स और पोटाश मिलने की संभावना है।

बंद कमरे में मिली पति पत्नी की लाश

रायपुर। मुंगेली जिले के लोरमी थाना क्षेत्र के ग्राम नवलपुर में बंद मकान से पति-पत्नी के शव मिलने से सनसनी फैल गई। दोनों शव करीब तीन से चार दिन पुराने बताए जा रहे हैं। मृतकों की पहचान नंद कुमार कश्यप और उनकी पत्नी गौरी कश्यप के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, दंपति पिछले कुछ दिनों से नजर नहीं आ रहे थे। मकान के बाहर ताला लगा हुआ था। इसी बीच घर से तेज दुर्गंध आने पर पड़ोसियों को अनहोनी की आशंका हुई। सूचना मिलने पर लोरमी पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मौजूदगी में ताला तोड़कर मकान के अंदर प्रवेश किया। अंदर दोनों के शव मिले।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बाबा कर्मेश्वर का किया रुद्राभिषेक

सीएम ने प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की

- प्रदेश के शक्तिपीठों को धार्मिक कॉरिडोर के रूप में जोड़ रही राज्य सरकार : मुख्यमंत्री
- रामलला दर्शन योजना से 50 हजार श्रद्धालुओं ने किए अयोध्या में प्रभु श्रीराम के दर्शन

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के विकासखंड राजपुर अंतर्गत ग्राम कर्रा में आयोजित श्री महारुद्र यज्ञ एवं शिव पुराण कथा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्राचीन बाबा कर्मेश्वर धाम में भगवान शिव का विधि-विधान से रुद्राभिषेक एवं पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और उत्तरोत्तर प्रगति की कामना की। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर ग्राम कर्रा में मंगल भवन निर्माण की घोषणा की। उन्होंने कहा कि बाबा कर्मेश्वर की कृपा से यह क्षेत्र निरंतर विकास के पथ पर आगे बढ़े, इसके लिए राज्य सरकार आवश्यक विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाएगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि ग्राम कर्रा की पावन भूमि पर श्री महारुद्र यज्ञ एवं शिव पुराण कथा का आयोजन होना अत्यंत सौभाग्य का विषय है। उन्होंने कथावाचक आचार्य दिव्यानंद जी महाराज को नमन करते हुए आयोजन समिति और समस्त श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि पवित्र श्रावण मास में भगवान शिव की आराधना का विशेष महत्व है। भगवान भोलेनाथ से यही प्रार्थना है कि उनकी कृपा पूरे

छत्तीसगढ़ पर बनी रहे और प्रत्येक परिवार में सुख, शांति एवं समृद्धि का वास हो। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ धर्म, संस्कृति और आस्था की समृद्ध परंपराओं की भूमि है। यह माता कौशल्या की जन्मभूमि और प्रभु श्रीराम का ननिहाल है। प्रदेश के गांव-गांव में प्राचीन शिवालयों, देवी मंदिरों और लोक आस्था के केंद्रों की गौरवशाली परंपरा रही है। राज्य सरकार इस समृद्ध आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के प्रमुख शक्तिपीठों को धार्मिक कॉरिडोर के रूप में जोड़ने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इससे श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलने के साथ ही धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं आजीविका के नए अवसर भी सृजित होंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ का भगवान श्रीराम से गहरा और आत्मीय संबंध है। राज्य सरकार की श्री रामलला दर्शन योजना के माध्यम से प्रदेश के श्रद्धालुओं को अयोध्या में प्रभु श्रीराम के दर्शन का अवसर मिल रहा है। अब तक लगभग 50 हजार श्रद्धालु इस योजना के माध्यम से अयोध्या जाकर रामलला के दर्शन कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों की धार्मिक आस्था और तीर्थ दर्शन की अभिलाषा को ध्यान में रखते हुए तीर्थ दर्शन योजना भी प्रारंभ की गई है। इसके अंतर्गत देशभर के 19 प्रमुख तीर्थ स्थलों को चिन्हांकित किया गया है। अब तक लगभग 10 हजार श्रद्धालु इस योजना का लाभ लेकर विभिन्न तीर्थ स्थलों के दर्शन कर चुके हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बाबा कर्मेश्वर के आशीर्वाद और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बस्तर को नक्सलवाद से मुक्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। दशकों तक हिंसा से प्रभावित रहे क्षेत्रों में आज शांति और विकास का नया वातावरण बन रहा है। दूरस्थ क्षेत्रों तक सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, संचार और अन्य बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। सरकार का संकल्प है कि विकास का लाभ प्रदेश के अंतिम छोर पर बसे प्रत्येक परिवार तक पहुंचे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्रा सहित बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में भी विकास कार्यों को निरंतर गति दी जाएगी। क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए यहां आवश्यक सुविधाओं के विस्तार के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। ग्राम कर्रा स्थित बाबा कर्मेश्वर धाम क्षेत्र की लोक आस्था का प्राचीन और महत्वपूर्ण केंद्र है। स्थानीय मान्यता के अनुसार यहां विराजमान शिवलिंग प्राकृतिक रूप से प्रकट हुआ है।

बहनों की खुशहाली का उपहार विष्णु भैया की सरकार-चंचल

रायपुर। रक्षाबंधन भाई-बहन के स्नेह और विश्वास का पर्व है। इस बार ग्राम नवागांव दयाली की श्रीमती चंचल पात्रे के लिए यह पर्व और भी खास बन गया। महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त की राशि रक्षाबंधन से पहले प्राप्त होने पर उनके चेहरे पर खुशी और उत्साह नजर आया। उन्होंने इस सौगात के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को आत्मीयता से 'विष्णु भैया' कहते हुए आभार व्यक्त किया। चंचल पात्रे ने कहा कि रक्षाबंधन जैसे महत्वपूर्ण पर्व से पहले महतारी वंदन योजना की राशि मिलना उनके लिए खुशी की बात है। इससे वे अपने भाई के लिए राखी, मिठाई और त्योहार की आवश्यक तैयारियां सहजता से कर सकेंगी। उन्होंने कहा कि योजना के माध्यम से नियमित आर्थिक सहायता मिलने से महिलाओं को अपनी छोटी-बड़ी जरूरतों को पूरा करने में सहारा मिल रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रक्षाबंधन से पहले राशि मिलने से इस बार त्योहार की खुशियां और बढ़ गई हैं। यह हमारे लिए 'विष्णु भैया' का स्नेह और बहनों के सम्मान का उपहार है। गौरतलब है कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से पात्र महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। योजना की राशि महिलाओं की आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ परिवार की जरूरतों में सहयोग का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही है। समय पर प्राप्त होने वाली सहायता राशि महिलाओं को आर्थिक रूप से संबल प्रदान करने के साथ उनके आत्मविश्वास को भी मजबूत कर रही है।

रक्षाबंधन से पहले बहनों को मिला विष्णु भैया का उपहार

रायपुर/ संवाददाता

रक्षाबंधन के पावन पर्व से पहले महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त प्रदेश की महिलाओं के लिए खुशियों और आर्थिक संबल की सौगात लेकर पहुंची है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 1,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है। नियमित रूप से मिलने वाली यह राशि महिलाओं को अपनी जरूरतें पूरी करने के साथ परिवार की आर्थिक आवश्यकताओं में सहयोग करने का आत्मविश्वास दे रही है। जांजगीर-चांपा जिले के नवागढ़ विकासखंड के ग्राम अवरीद निवासी श्रीमती धनेश्वरी धीवर के

लिए भी महतारी वंदन योजना आर्थिक सहारे का मजबूत आधार बनी है। योजना की 31वीं किस्त के रूप में 1,000 रुपये की राशि उनके बैंक खाते में पहुंची। रक्षाबंधन से पहले मिली इस राशि ने उनके त्योहार की खुशियों को और बढ़ा दिया। श्रीमती धनेश्वरी बताती हैं कि महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि उनके लिए रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में बेहद उपयोगी साबित होती है। अब छोटी-छोटी आवश्यकताओं के लिए उन्हें परिवार के अन्य सदस्यों पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। वे योजना से प्राप्त राशि का उपयोग राशन, घरेलू सामान और अपनी जरूरी आवश्यकताओं को पूरा करने में करती हैं। इससे उन्हें आर्थिक रूप से अपने निर्णय लेने और परिवार में सहयोगी भूमिका निभाने का आत्मविश्वास मिला है। उनके लिए योजना की 31वीं किस्त महज 1,000 रुपये की आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि सम्मान, आत्मविश्वास और अपनत्व का एहसास भी लेकर आई है। रक्षाबंधन से पहले खाते में राशि पहुंचने पर धनेश्वरी ने खुशी जाहिर करते हुए कहा, महतारी वंदन के किस्त रक्षाबंधन के पहिली मिल गे, हमर खुशी दुगुना हो गे।

जल जीवन मिशन से बदली कटंगी की तस्वीर

- 100 किलोलीटर जलागार और पाइपलाइन नेटवर्क से 436 परिवारों को मिला घरेलू नल कनेक्शन

रायपुर/ संवाददाता

जल जीवन मिशन के माध्यम से खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर तक सुरक्षित एवं पर्याप्त पेयजल पहुंचाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। इसी क्रम में विकासखंड छुईखदान के ग्राम कटंगी में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीण परिवारों के दैनिक जीवन में सुविधाएं बढ़ी हैं। गांव में जलापूर्ति की बेहतर व्यवस्था होने से ग्रामीणों को अब घर के पास ही नल से पेयजल उपलब्ध हो रहा है। ग्राम कटंगी में 100 किलोलीटर क्षमता के उच्च स्तरीय जलागार का निर्माण कर पाइपलाइन नेटवर्क विकसित किया गया है। इसके माध्यम से करीब दो हजार की आबादी वाले गांव के 436 परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन उपलब्ध कराया गया है। इससे ग्रामीण परिवारों को पेयजल के लिए दूर स्थित जलस्रोतों पर निर्भर रहने की जरूरत कम हुई है और घर पर ही पानी की सुविधा उपलब्ध हो रही है। ग्राम कटंगी निवासी श्रीमती ललिता यादव ने बताया कि पहले परिवार की जरूरत के लिए पानी जुटाने में काफी समय और मेहनत लगती थी। घर में नल कनेक्शन मिलने के बाद पानी की व्यवस्था काफी आसान हो गई है। उन्होंने कहा कि अब घर के पास ही पानी उपलब्ध हो जाता है, जिससे रोजमर्रा के काम समय पर पूरे करने में सुविधा होती है। श्रीमती ललिता यादव ने बताया कि नल से पानी मिलने का सबसे बड़ा लाभ महिलाओं को हुआ है। पहले पानी भरने और उसे घर तक लाने में काफी समय व्यतीत होता था। अब यह समय घरेलू कार्यों, बच्चों की देखभाल और अन्य जरूरी कामों में लग रहा है। जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन से पहले ग्रामीण परिवार हैंडपंप एवं अन्य पारंपरिक जलस्रोतों पर निर्भर रहते थे। विशेषकर महिलाओं को पेयजल की व्यवस्था के लिए काफी समय और श्रम लगाना पड़ता था। घर-घर नल कनेक्शन उपलब्ध होने से महिलाओं के श्रम और समय की बचत हो रही है। बच्चों को भी पानी लाने की जिम्मेदारी से राहत मिली है, जिससे वे पढ़ाई और अन्य गतिविधियों के लिए अधिक समय दे पा रहे हैं। योजना के माध्यम से ग्रामीणों में स्वच्छ पेयजल, जल संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जागरूकता भी बढ़ रही है।

विष्णु भैया'का साथ,बहनों के हुनर को नई उड़ान कुमारी ज्योति साहू

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक असर ग्रामीण क्षेत्रों में दिखाई दे रहा है। ग्राम मुसवाडीही की ज्योति साहू, जो साहेब बंदगी स्वसहायता समूह से जुड़ी हैं, इन प्रयासों से प्रेरित होकर आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। ज्योति बताती हैं कि स्वसहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्हें अपने हुनर को पहचानने और आगे बढ़ाने का अवसर मिला। समूह की अन्य महिलाओं के साथ मिलकर काम करने, नई चीजें सीखने और आर्थिक गतिविधियों से जुड़ने से उनके आत्मविश्वास में वृद्धि हुई है। अब वे परिवार की जिम्मेदारियों के

साथ आर्थिक रूप से भी योगदान देने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। ज्योति कहती हैं कि विष्णु भैयाष् की सरकार में हम बहनों के हुनर और मेहनत को सम्मान मिल रहा है। स्वसहायता समूह से जुड़कर हमें आगे बढ़ने का अवसर मिला है। इससे हमारा आत्मविश्वास बढ़ा है और हमें लगता है कि हम भी अपने पैरों पर खड़े होकर परिवार को मजबूत बना सकती हैं। उन्होंने कहा कि श्साहेब बंदगीश् स्वसहायता समूह उनके लिए केवल एक समूह नहीं, बल्कि सीखने, आगे बढ़ने और आत्मनिर्भर बनने का माध्यम है। समूह से जुड़ी महिलाएं एक-दूसरे का सहयोग करते हुए अपने हुनर को नई पहचान देने का प्रयास कर रही हैं। ज्योति ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाओं को अवसर और प्रोत्साहन मिलने से उनमें आगे बढ़ने का विश्वास पैदा हुआ है। बहनों का मान, विष्णु भैया का सम्मान की भावना के साथ ज्योति साहू जैसी ग्रामीण महिलाएं अपने हुनर को ताकत बनाकर आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिख रही हैं।

महिलाओं की तरक्की विष्णु सुशासन में पक्की

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने मातृशक्ति सम्मान समारोह-2026 में महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त के रूप में प्रदेश की 67.28 लाख बहनों के खातों में ?631 करोड़ से अधिक की राशि अंतरित की। रक्षाबंधन से पहले मिली इस राशि से प्रदेश की महिलाओं में खुशी का माहौल है। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के ग्राम हर्रा निवासी सीमा भी इस सौगात से बेहद खुश हैं। सीमा ने बताया कि महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त की राशि उनके खाते में पहुंचने से रक्षाबंधन का त्योहार और भी खुशी से मनाने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम और स्नेह का पर्व है। त्योहार से पहले आर्थिक सहायता मिलने से उन्हें राखी, मिठाई और फल खरीदने में सुविधा होगी। वे प्राप्त राशि का उपयोग रक्षाबंधन की तैयारियों में करेंगी और अपने परिवार के साथ खुशी से त्योहार मनाएंगी। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता मिल रही है, जिससे वे अपनी आवश्यकताओं के लिए परिवार पर पूरी तरह निर्भर नहीं रहतीं। त्योहार के अवसर पर मिली यह राशि उनके लिए आर्थिक सहयोग के साथ-साथ खुशी और आत्मविश्वास का माध्यम भी बनी है। सीमा ने महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त की राशि मिलने पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुक्ताकाशी मंच पर उमड़ा दर्शकों का सैलाब

सुर, लय और नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों के बीच पावस प्रसंग का भव्य समापन

- कलाकारों को मंच और सम्मान देना सरकार की प्राथमिकता- श्री राजेश अग्रवाल

रायपुर/ संवाददाता

संस्कृति विभाग द्वारा राजधानी रायपुर के मुक्ताकाशी मंच में आयोजित चार दिवसीय सांस्कृतिक आयोजन 'पावस प्रसंग 2026' का अंतिम दिन सुर, लय, ताल और नृत्य की मनोहारी प्रस्तुतियों से सजा रहा। कलाकारों की उत्कृष्ट प्रस्तुतियों और दर्शकों की अपार भीड़ के बीच आयोजन का भव्य समापन हुआ। मुक्ताकाशी मंच का पूरा वातावरण शास्त्रीय संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियों से सराबोर रहा तथा दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। समापन समारोह में संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति विभाग द्वारा पावस ऋतु के उत्साह और हर्षोल्लास के साथ भारतीय शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य की समृद्ध परंपरा को जीवंत बनाए रखने के उद्देश्य से 'पावस प्रसंग' का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के साथ ही कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराते हैं। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि आयोजन में शास्त्रीय संगीत, गायन और विभिन्न नृत्य शैलियों की प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता और कला की समृद्ध परंपरा को सामने लाया गया। उन्होंने कहा कि राज्य के कलाकारों और नवोदित प्रतिभाओं को मंच प्रदान कर उन्हें प्रोत्साहित करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार कलाकारों के हितों के संवर्धन के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। कलाकारों के प्रोत्साहन और उनके कल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनमें मुख्यमंत्री कलाकार प्रोत्साहन योजना भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने 'पावस प्रसंग' में अपनी कला-साधना से वर्षा ऋतु के सौंदर्य को साकार करने वाले सभी कलाकारों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे अपनी साधना और प्रतिभा के बल पर देश-विदेश के प्रतिष्ठित मंचों पर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करें। मंत्री श्री अग्रवाल ने आयोजन की सफलता के लिए कला प्रेमी दर्शकों, मीडियाकर्मियों

और पत्रकारों के प्रति भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मीडिया ने आयोजन के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। साथ ही उन्होंने संस्कृति विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सफल आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। पावस प्रसंग के अंतिम दिन विभिन्न नृत्य शैलियों की उत्कृष्ट प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विनीता त्रिपाठी ने कथक नृत्य की प्रभावशाली प्रस्तुति दी। इसके बाद श्री कृष्ण कुमार पंडित एवं सुश्री अशिका सिंघल ने कथक की मनोहारी प्रस्तुति से मुक्ताकाशी मंच पर समां बांध दिया। वहीं आर्या नदें ने ओडिसी नृत्य और सुश्री ज्योतिषी वैष्णव ने कथक नृत्य की भावपूर्ण एवं प्रभावशाली प्रस्तुति देकर कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की। कलाकारों की पदचाप, भाव-भंगिमाओं, ताल और लय के अद्भुत समन्वय ने दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित किया। प्रस्तुतियों के दौरान मुक्ताकाशी मंच पर मौजूद दर्शक कला की बारीकियों में डूबे नजर आए और प्रत्येक प्रस्तुति के बाद जोरदार तालियों से कलाकारों का उत्साह बढ़ाया। समापन समारोह में अनेक विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इनमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, मध्य क्षेत्र के बौद्धिक प्रमुख श्री जी. नागेन्द्र, पूर्व मुख्य सचिव श्री एस.के. मिश्रा, पूर्व अपर मुख्य सचिव डॉ. इंद्रा मिश्रा, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग श्री प्रभात मिश्रा, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ साहित्य परिषद श्री शशांक शर्मा, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ फिल्म बोर्ड सुश्री मोना सेन, संचालक संस्कृति एवं पुरातत्व डॉ. संजय कनौजे, उपसंचालक संस्कृति श्री उमेश मिश्रा, पद्मश्री श्रीमती ऊषा बारले, श्रीमती प्रसना अवस्थी, सदस्य फिल्म बोर्ड, वरिष्ठ पत्रकार एवं छायाकार श्री दीपेंद्र दीवान, श्रीमती आरती सिंह, वरिष्ठ साहित्यकार श्री चितरंजन कर, साहित्यकार श्री राजेश गानोदवाले एवं श्री राम पटवा सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। 'पावस प्रसंग 2026' के अंतिम दिन कला, संस्कृति, संगीत और नृत्य का अद्भुत संगम देखने को मिला। पावस ऋतु की भावनाओं और सौंदर्य को कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से जीवंत किया। दर्शकों की उत्साहपूर्ण सहभागिता और अपार भीड़ के बीच चार दिवसीय इस सांस्कृतिक आयोजन का भव्य एवं गरिमामय समापन हुआ।

संपादकीय

कश्मीर पर अमेरिका का नया सुर, लेकिन 'महत्वपूर्ण हिस्सा' कहने के मायने क्या?

गोर का बयान भारत के पक्ष में झुका हुआ लगता है, लेकिन जम्मू-कश्मीर को भारत का 'अभिन्न हिस्सा' के बजाय 'महत्त्वपूर्ण' हिस्सा बताना एक सुविधा की कूटनीति भी हो सकती है।भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने जम्मू-कश्मीर के बारे में जो राय जाहिर की है, उसकी अपनी अहमियत है। खासतौर पर अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में अमेरिका को जिस नजर से देखा जाता है, उसमें उसकी प्रतिक्रिया को किसी पक्ष या विपक्ष को मिलने वाले महत्त्व की नजर से देखा जाता है।ऐसी स्थिति में अमेरिकी राजदूत के रूप में सर्जियो गोर ने जिस तरह जम्मू-कश्मीर को भारत का एक 'महत्त्वपूर्ण हिस्सा' बताया, उसे इस मुद्दे पर अमेरिका के बदलते रुख के संकेत के तौर पर भले देखा जा रहा हो, लेकिन यह सवाल भी उठा है कि उनका यह बयान भारत के लिहाज से कितना अहम है। इसके अलावा, गोर ने जम्मू-कश्मीर के लिए जारी अमेरिकी यात्रा परामर्श की समीक्षा करने की भी बात कही।दरअसल, कूटनीति की दुनिया में कई बार शब्दों की बारीकियों के जरिए जिस परिदृश्य की रचना की जाती है, उसका अंदाजा प्रभाव के स्तर से लग पाता है। ऐसे में जो जम्मू-कश्मीर बिना किसी सवाल के भारत का अभिन्न हिस्सा है, उसके बारे में सर्जियो गोर को अलग से कुछ राय जाहिर करने की जरूरत क्यों महसूस हुई। फिर 'अभिन्न हिस्से' के बजाय 'महत्त्वपूर्ण हिस्सा' बताने को भारत में किस नजर से देखा जाएगा! गौरतलब है कि अमेरिका पारंपरिक तौर पर जम्मू-कश्मीर के मामले को भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय बातचीत के जरिए सुलझाने का हामी रहा है। यही नहीं, एकाध मौकों पर अमेरिका ने कश्मीर मामले में मध्यस्थता की भी भूमिका निभाने की पेशकश की थी, लेकिन भारत ने उसे खारिज कर दिया था।यों कई संदर्भों में चूंकि पाकिस्तान को लेकर अमेरिका की दृष्टि में अब तक एक अप्रत्यक्ष नरमी दिखाई देती रही है और पश्चिम एशिया में युद्ध के बीच पिछले कुछ समय से दोनों के बीच थोड़ी करीबी बढ़ती देखी गई है, इसलिए इस बात की आशंका हो सकती है कि अमेरिका का रुख कई बार जरूरत और सुविधा के मुताबिक भी संचालित होता है। ऐसे में यह देखने की जरूरत होगी कि गोर के बयान के बाद पाकिस्तान ने जिस तरह तीखी आपत्ति जाहिर की है, उसमें अमेरिका आगे क्या रुख अपनाता है।इसमें कोई दोराय नहीं कि भारत में जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर किसी अन्य देश को किसी भी स्तर पर दखल देने की जरूरत नहीं है। इस मसले पर भारत ने संयुक्त राष्ट्र सहित समूची दुनिया में स्थिति बिल्कुल स्पष्ट करके रखी है। इसके बावजूद समय-समय पर जम्मू-कश्मीर को लेकर पाकिस्तान की ओर से नाहक दखलंदाजी और बयानबाजी करके एक नकारात्मक संदेश देने की कोशिश होती रही है।

किशोरों और बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए यूरोप के कई देशों ने पंद्रह या सोलह साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर पाबंदी लगानी शुरू कर दी है। इसका अगुआ होने का श्रेय ऑस्ट्रेलिया को है, जिसने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के इंस्टाग्राम, फेसबुक, टिकटॉक, एक्स यानी ट्विटर और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्मों के इस्तेमाल पर पाबंदी लगा दी है। इसी तरह फ्रांस ऐसा कानून बनाने वाला यूरोप का पहला देश हो गया है। वहां की संसद ने पंद्रह साल तक के बच्चों के सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर रोक लगाने का कानून पारित कर दिया है। हालांकि यह कानून खटाई में पड़ गया है। फ्रांस के सर्वोच्च न्यायालय ने इस कानून को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन माना है।

ताकि बचा रहे बचपन

(उमेश चतुर्वेदी)

जिस पश्चिमी दुनिया में सोशल मीडिया का आविष्कार हुआ, जिन्होंने कभी अरब देशों में क्रांति के लिए सोशल मीडिया की सराहना की थी, अब उन्हें ही यह माध्यम अपने ही बच्चों का दुश्मन लगने लगा है। इसकी वजह है, वहां के बच्चों और किशोरों का बिगड़ता मानसिक स्वास्थ्य और पढ़ाई का गिरता स्तर।

किशोरों और बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए यूरोप के कई देशों ने पंद्रह या सोलह साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर पाबंदी लगानी शुरू कर दी है। इसका अगुआ होने का श्रेय ऑस्ट्रेलिया को है, जिसने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के इंस्टाग्राम, फेसबुक, टिकटॉक, एक्स यानी ट्विटर और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्मों के इस्तेमाल पर पाबंदी लगा दी है। इसी तरह फ्रांस ऐसा कानून बनाने वाला यूरोप का पहला देश हो गया है। वहां की संसद ने पंद्रह साल तक के बच्चों के सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर रोक लगाने का कानून पारित कर दिया है। हालांकि यह कानून खटाई में पड़ गया है। फ्रांस के सर्वोच्च न्यायालय ने इस कानून को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन माना है। अदालत का कहना है कि नाबालिगों पर प्रतिबंध लगाने के चक्कर में यह कानून असल में हर नागरिक पर सोशल मीडिया का उपयोग करने से पहले अपनी उम्र साबित करने का दबाव बनाता है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैंक्रो इस इस कानून के प्रबल समर्थक हैं। अदालत के फैसले के बाद उन्होंने कहा है कि इस कानून को लागू करने के लिए अदालती फैसले के मद्देनजर जरूरी सुधार करके फिर से इसे संसद से पारित कराया जाएगा।

फ्रांस के इस फैसले से स्पष्ट है कि वह किशोरों के सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर लगाम लगाने के लिए पीछे नहीं हटने जा रहा है। जिस पश्चिमी दुनिया में सोशल मीडिया का आविष्कार हुआ, जिन्होंने कभी अरब देशों में क्रांति के लिए सोशल मीडिया की सराहना की थी, अब उन्हें ही यह माध्यम अपने ही बच्चों का दुश्मन लगने लगा है। इसकी वजह है, वहां के बच्चों और किशोरों का बिगड़ता मानसिक स्वास्थ्य और पढ़ाई का गिरता स्तर। इसकी वजह से अमेरिका तक में सोशल मीडिया कंपनियों के खिलाफ लोगों में नाराजगी दिख रही है। प्रसिद्ध न्यूज एजेंसी रायटर्स ने आईपोस कंपनी के साथ हाल ही में एक सर्वे किया है। इसमें शामिल 61 फीसद लोगों ने कहा कि सोशल मीडिया कंपनियों पर सरकार को और सख्त निगरानी रखनी चाहिए। इस सर्वे में शामिल 66 प्रतिशत लोग तो 16 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए उम्र के प्रमाणीकरण की प्रक्रिया लागू करने पर जोर दिया है। वैसे अमेरिका के फ्लोरिडा जैसे कुछ राज्यों में चौदह साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर रोक है।

दुनियाभर में बच्चों और किशोरों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर रोक के लिए उनके मानसिक स्वास्थ्य में आ रही गिरावट और बढ़ते मानसिक तनाव को जिम्मेदार माना जा रहा है। कई शोधों से पता चला है कि लगातार स्क्रीन देखने और सोशल मीडिया के इस्तेमाल से बच्चे दूसरों की लाइफस्टाइल से खुद की तुलना करने लग रहे हैं। इससे उनमें हीन भावना, तनाव और डिप्रेशन बढ़ रहा है। इसकी वजह से उनकी नींद में कमी हो रही है। देर रात तक फोन चलाने के कारण भी बच्चों की सोने की आदत बिगड़ रही है। इससे उनमें चिड़चिड़ाहट बढ़ रही है। जिससे उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है। जानकारों का मानना है कि सोशल मीडिया ऐप्स का अलगोरिदम ऐसा है, जिससे बच्चे ही नहीं, बड़े भी उसके लत का शिकार हो रहे हैं. इससे वे स्क्रीन के आदी हो रहे हैं। कई बार कम उम्र के बच्चों के सामने आत्महत्या, हिंसा या उम्र के हिसाब से गलत सामग्री भी आती है। वैसे सोशल मीडिया का अलगोरिदम ऐसा है कि नकारात्मक, हिंसा प्रधान और सेक्स से जुड़ी खबरें और दृश्य जल्दी वायरल होते हैं। सोशल मीडिया ट्रोलिंग और अभद्र टिप्पणियों का बड़ा और आसान माध्यम बन गया है। इनकी वजह से बच्चे मानसिक प्रताड़ना का

शिकार हो रहे हैं। बच्चों को फंसाने वाले अपराधी उन्हे आसानी से अपना शिकार बना लेते हैं। इसीलिए दुनिया में कई देशों की सरकारें बच्चों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर रोक लगाने की तैयारी में हैं।

रोक लगाने वालों में इंडोनेशिया भी शामिल हो चुका है, जिसने मार्च 2026 से इसके नियम लागू कर दिए हैं। इनके अनुसार, 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए यूट्यूब, टिकटॉक, फेसबुक और रोब्लॉक्स जैसे हाई-रिस्क प्लेटफॉर्म्स पर पाबंदी लगा दी गई है। इंडोनेशिया की तरह मलयेशिया ने भी ऑनलाइन सुरक्षा अधिनियम के तहत 16 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया अकाउंट बनाने पर रोक लगा रखी है। संयुक्त अरब अमीरात ने बच्चों के लिए सोशल मीडिया के लिए न्यूनतम उम्र 15 वर्ष तय की है। इससे कम उम्र के बच्चों के अकाउंट बनाने पर यहां पूरी तरह रोक है। यूरोप के देश डेनमार्क में 15 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया ब्लॉक करने का कानून बन चुका है। बच्चों की उम्र की जांच के लिए सरकार डिजिटल एविडेंस ऐप पर काम कर रही है। इसी तरह ब्रिटेन की सरकार ने भी 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है, जो जनवरी 2027 से प्रभावी होने जा रही है। तुर्की में भी 15 साल से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने के लिए कानून को मंजूरी मिल चुकी है, जिसे 2026 के अंत तक लागू किया जाना है। चीन में किशोरों के लिए सोशल मीडिया पर पूरी तरह पाबंदी तो नहीं है, लेकिन उनके लिए सख्त माइनर मोड लागू है, जो रात के समय सोशल मीडिया ऐप्स के इस्तेमाल और स्क्रीन टाइम को सीमित करता है। ब्राजील का बाल एवं किशोर डिजिटल कानून 17 मार्च, 2026 से लागू हो चुका है। जिसके तहत 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों को अपने सोशल मीडिया खाते को माता-पिता या कानूनी अभिभावक से जोड़ना अनिवार्य है। इसके अलावा, यह कानून युवाओं के लगातार स्क्रॉल जैसी आदतों पर प्रतिबंध लगाता है। जर्मनी में भी इसी तरह का नियम लागू हो चुका है। स्वीडन समेत कई अन्य देश भी ऐसी तैयारी में हैं। अपने यहां कर्नाटक राज्य भी ऐसे कानून पर काम कर रहा है। जबकि नोएडा के जिला प्रशासन ने स्कूलों में ऑनलाइन के इस्तेमाल को सीमित करने का निर्देश दिया है। विदेशों की तुलना में जरा भारत को देखिए, यहां दिल्ली के जंतर-मंतर पर युवाओं और किशोरों ने जिस तरह अभद्र और अश्लील गालियों का कैमरे के सामने प्रदर्शन किया, उसे सोशल मीडिया के जरिए पूरी दुनिया ने देखा है। दिलचस्प है कि इसे प्रगतिशील बौद्धिकों के एक वर्ग ने समर्थन किया। दो राय नहीं कि सोशल मीडिया का इस्तेमाल अगर सही तरीके से किया जाए तो उसकी पहुंच और त्वरा समाज को कई तरह के फायदे दिला सकती है। खामियां उजागर करके तंत्र पर दबाव बनाया जा सकता है। लेकिन हमें यह स्वीकार करने की हिचक नहीं होनी चाहिए कि देश में सोशल मीडिया अर्धनग्नता और अश्लीलता का वाहक बनता जा रहा है। इन्फ्लूएंसर बनने, रीच बढ़ाने और लाइक के जरिए कमाई के चक्कर में शरीफ परिवारों की महिलाओं को भी अंग प्रदर्शन से परहेज नहीं रहा।

क्या कैप्टन ने सरकार के 'कप्तान' पर ही सवाल उठा दिये हैं?

(नीरज कुमार दुबे)

अपने आलेख में कैप्टन अमरिंदर सिंह ने साफ तौर पर कहा है कि नरेंद्र मोदी के दौर ने भारतीय राजनीति और शासन की दिशा बदल दी है। उनके अनुसार, मोदी ने भारतीय जनता पार्टी को राजनीति के एक सीमित दायरे से निकालकर देशव्यापी शक्ति में बदला। पंजाब विधानसभा चुनावों से पहले राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता कैप्टन अमरिंदर सिंह ने व्यक्ति-केंद्रित राजनीति पर सवाल उठाते हुए एक बड़ा राजनीतिक सवाल दागा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और पिछले एक दशक की उपलब्धियों को स्वीकार करते हुए कैप्टन ने अंग्रेजी समाचार-पत्र में अपने आलेख के जरिए यह संकेत दिया है कि अब भाजपा और देश की राजनीति को सिर्फ एक नाम और एक व्यक्ति के इर्द-गिर्द सिमटने की बजाय मजबूत संस्थाओं, जवाबदेही और स्थायी लोकतांत्रिक ढांचे की ओर बढ़ना चाहिए। एक तरह से कैप्टन ने भाजपा को भी सलाह दे डाली है कि मोदी-इज़्म की अगली मंजिल केवल मोदी के नाम पर आगे बढ़ना नहीं, बल्कि ऐसी संस्था-केंद्रित व्यवस्था खड़ी करना होनी चाहिए, जो किसी एक नेता से परे जाकर देश की राजनीतिक और प्रशासनिक ताकत को स्थायी आधार दे सके। अपने आलेख में कैप्टन अमरिंदर सिंह ने साफ तौर पर कहा है कि नरेंद्र मोदी के दौर ने भारतीय राजनीति और शासन की दिशा बदल दी है। उनके अनुसार, मोदी ने भारतीय जनता पार्टी को राजनीति के एक सीमित दायरे से निकालकर देशव्यापी शक्ति में बदला। डिजिटल सार्वजनिक ढांचे, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, वित्तीय समावेशन, स्वच्छता, आवास, बिजली और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में हुए कामों का उल्लेख करते हुए उन्होंने माना कि मोदी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि सरकार की पहुंच और डिलीवरी क्षमता का विस्तार रही है। लेकिन कैप्टन का असली संदेश इससे आगे जाता है। उनका तर्क है कि किसी भी लोकतंत्र की सफलता को केवल एक शक्तिशाली नेता की उपलब्धियों से नहीं मापा जा सकता। मजबूत सरकार और मजबूत नेता महत्वपूर्ण हैं, लेकिन लोकतंत्र की असली मजबूती मजबूत संस्थाओं, जवाबदेही और संवैधानिक संतुलन से आती है। उन्होंने सवाल उठाया कि मोदी-इज़्म की अगली यात्रा आखिर किस दिशा में होगी? क्या वह एक व्यक्ति के नेतृत्व के इर्द-गिर्द सीमित रहेगा या फिर ऐसी संस्थागत व्यवस्था खड़ी करेगा, जो किसी भी व्यक्ति के सत्ता से हटने के बाद भी देश को आगे बढ़ाती रहे? यहीं से कैप्टन अमरिंदर सिंह का आलेख राजनीतिक रूप से और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। भाजपा के वरिष्ठ नेता होते हुए भी उन्होंने संसद की भूमिका, संसदीय समितियों की जांच, संघीय विमर्श, संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता और नागरिक अधिकारों जैसे मुद्दों को खुलकर उठाया है। उनका कहना है कि लोकतंत्र केवल नियमित चुनावों का नाम नहीं है। चुनावी जीत किसी सरकार को जनादेश जरूर देती है, लेकिन लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती इस बात पर निर्भर करती है कि सत्ता के इस्तेमाल पर संस्थागत नियंत्रण कितना प्रभावी है। कैप्टन ने विशेष रूप से संसद की समितियों और संसदीय जांच की भूमिका पर जोर दिया है। उनके अनुसार, बड़े फैसलों से पहले गंभीर विचार-विमर्श और समितियों की जांच को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। संघीय ढांचे के सवाल पर भी उनका संकेत साफ है कि केंद्र और राज्यों के बीच शक्ति संतुलन तथा संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता लोकतंत्र की दीर्घकालिक मजबूती के लिए जरूरी है। उनका एक और महत्वपूर्ण तर्क कल्याणकारी योजनाओं को लेकर है। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा कि खाद्य सुरक्षा, आवास, छात्रवृत्ति और सामाजिक सुरक्षा जैसी योजनाओं को किसी नेता की उदारता या राजनीतिक उपहार के रूप में नहीं, बल्कि नागरिकों के अधिकार और राज्य के दायित्व के रूप में देखा जाना चाहिए। उनके मुताबिक, जब शासन का आधार व्यक्ति की छवि से आगे बढ़कर संस्थागत अधिकारों और जवाबदेही पर टिकेगा, तभी विकास की प्रक्रिया स्थायी और निष्पक्ष बन सकेगी। आलेख में कैप्टन ने संविधान की मूल अवधारणाओं पर भी अपनी बात रखी है। उनका कहना है कि बहुलतावाद, धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद जैसे शब्दों पर राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन संवैधानिक व्यवस्था को केवल राजनीतिक नारों के आधार पर नहीं आंका जा सकता। उनका तर्क है कि समाजवाद का अर्थ निजी क्षेत्र का विरोध या राज्य का पूर्ण नियंत्रण नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक न्याय तथा अवसरों की समानता भी है। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने मोदी सरकार की उपलब्धियों को नकारने की बजाय उन्हें भारत की नई राजनीतिक वास्तविकता का हिस्सा माना है। उनका कहना है कि पिछले एक दशक में भारत ने ऊर्जा, महत्वाकांक्षा और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक मजबूत पहचान हासिल की है। लेकिन उन्होंने यह भी चेताया है कि किसी नेता की ऐतिहासिक सफलता का अंतिम पैमाना केवल उसकी व्यक्तिगत लोकप्रियता या चुनावी जीत नहीं होती। असली कसौटी यह होती है कि उसके बाद देश की संस्थाएं कितनी मजबूत, स्वायत्त और सक्षम बनकर उभरती हैं।

जिनपिंग की भारत यात्रा- बॉर्डर पर तैनाती और निगरानी बढ़ाने का समय आ गया

चीनी राष्ट्रपति के भारत यात्रा के दौरान जाहिर तौर पर दोनों देशों के बीच शीर्ष स्तर पर भी बातचीत होगी। हाल के दिनों में भारत चीन सीमा पर खासकर अरुणाचल प्रदेश को लेकर जो खबरें आ रही है, उसने पूरे देश को चिंतित कर दिया है। बदले माहौल में अब भारत की कोई भी सरकार सिर्फ शांति और व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने के नाम पर पड़ोसी देश की इस तरह की नापाक हरकतों को ठंडे बस्ते में नहीं डाल सकती है।

(संतोष कुमार पाठक)

भारत-चीन संबंधों के बीच सबसे बड़ी विडंबना शीर्ष नेताओं के दौरे के दौरान या दौरे के आसपास ही शुरू होती है। आमतौर पर जब भी किसी दो देशों के बीच शीर्ष स्तर पर यात्रा की कोई योजना बनती है तो दोनों ही देश, इस बात को सुनिश्चित करते हैं कि यात्रा से पहले और यात्रा के दौरान तो कम से कम कहीं कोई तनाव न पैदा हो। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भारत आने की तैयारी कर रहे हैं। भारत यात्रा के दौरान चीन के राष्ट्रपति 18वें ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होंगे। जिनपिंग इससे पहले वर्ष 2019 में शिखर वार्ता के लिए भारत आएं थे। चीनी राष्ट्रपति के भारत यात्रा के दौरान जाहिर तौर पर दोनों देशों के बीच शीर्ष स्तर पर भी बातचीत होगी। हाल के दिनों में भारत चीन सीमा पर खासकर अरुणाचल प्रदेश को लेकर जो खबरें आ रही है, उसने पूरे देश को चिंतित कर दिया है। बदले माहौल में अब भारत की कोई भी सरकार सिर्फ शांति और व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने के नाम पर पड़ोसी देश की इस तरह की नापाक हरकतों को ठंडे बस्ते में नहीं डाल सकती है। ऐसे में नई दिल्ली में स्वागत की तैयारियों से भी ज्यादा जरूरी हो जाता है भारत-चीन सीमा पर सैनिकों को पूरे साजो-सामान के साथ 24 घंटे रेडी मोड में रखना। चीन का इतिहास भी यही बताता है कि भारत को अब और ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है। भारत-चीन संबंधों के बीच सबसे बड़ी विडंबना शीर्ष नेताओं के दौरे के दौरान या दौरे के आसपास ही शुरू होती है। आमतौर पर जब भी किसी दो देशों के बीच शीर्ष स्तर पर यात्रा की कोई योजना बनती है तो दोनों ही देश, इस बात को सुनिश्चित करते हैं कि यात्रा से पहले और यात्रा के दौरान तो कम से कम कहीं कोई तनाव न पैदा हो। लेकिन चीन इसके बिल्कुल उल्टा करता है। चीन का इतिहास यह बताता है कि भारत की तरफ से संबंध सुधारने के लिए जब भी शीर्ष स्तर पर कोई नेता चीन जाता है या फिर भारत के निमंत्रण पर जब भी चीन से कोई शीर्ष नेता भारत आता है तो अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति और राजनयिक शिष्टाचार को पूरी तरह से धत्ता बताते हुए चीन की सेना सीमा पर खुराफात शुरू कर देती है। एक तरफ शीर्ष स्तर पर बातचीत, शांति और व्यापारिक संबंधों के ढोल बज रहे होते हैं तो वहीं दूसरी तरफ चीन की सेना भारत के क्षेत्र

में जबरदस्ती घुसपैठ करने और भारतीय सेना से लड़ती-भिड़ती नज़र आती है। आपको बता दें कि, चीन की सेना पाकिस्तानी सेना की तरह बेलगाम नहीं है यानी चीन की सेना जो कुछ भी करती है वह राष्ट्रपति की मंजूरी से ही करती है। वैसे तो शीर्ष स्तर पर यात्राओं के दौरान चीन की इस तरह की हरकतों का लंबा इतिहास रहा है। लेकिन आपके सामने कुछ महत्वपूर्ण घटनाओं को उदाहरण के तौर पर रख देते हैं। वर्ष 2003 में भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की चीन यात्रा के दौरान ही चीनी सेना की एक टुकड़ी ने अरुणाचल प्रदेश के अपर सुबनसिरी जिले के असफीला इलाके में ,घुस पार करके भारतीय सीमा में न केवल घुसपैठ किया था बल्कि भारतीय सैनिकों की एक छोटी सी टुकड़ी से उनके हथियार तक छीन लिए थे। चीनी सेना ने इससे भी बड़ी नापाक हरकत वर्ष 2013 में अपने ही प्रधानमंत्री ली केकियांग के भारत दौरे से पहले की थी। मनमोहन सिंह सरकार के दौरान वर्ष 2013 में चीनी प्रधानमंत्री की भारत यात्रा से पहले पीएलए यानी चीनी सेना पूर्वी लद्दाख (भारतीय क्षेत्र) में 19 किलोमीटर तक न केवल अंदर घुस आई थी बल्कि वहां तंबू लगाकर कब्जा भी कर लिया था। दोनों देशों की सेनाएं आमने-सामने आ गई थी और लगभग 20 दिनों तक यह गतिरोध बना रहा था। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद वर्ष 2014 में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग भारत यात्रा पर आएं। जिनपिंग के भारत पहुंचने से महज कुछ घंटे पहले ही चीन की सेना ने लद्दाख में घुसपैठ कर, अवैध तरीके से सड़क बनाना शुरू कर दिया। यहां भी दोनों देशों की सेनाएं लगभग दो सप्ताह तक आमने-सामने खड़ी रहीं। इस तरह के अनगिनत उदाहरण भरे पड़े हैं जब भारत और चीन के शीर्ष नेता बातचीत कर रहे थे या बातचीत करने की तैयारी कर रहे थे, ठीक उसी समय चीन की सेना नापाक हरकतें कर रही थी। ऐसे में बड़ा सवाल तो यही खड़ा हो रहा है कि क्या चीन सितंबर के महीने में बॉर्डर पर फिर से कोई बड़ी खुराफात करने की योजना तो नहीं बना रहा है ? यह सवाल इसलिए खड़ा हो रहा है क्योंकि भारत में 12-13 सितंबर को 18वां ब्रिक्स सम्मेलन होने जा रहा है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इसमें शामिल होने के लिए भारत आएंगे। चीन के राष्ट्रपति के भी इस सम्मेलन में आने की तैयारियां चल रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत के विदेश मंत्रालय के सूत्र यह बता रहे हैं कि जिनपिंग के दौरे की अभी आधिकारिक तौर पर औपचारिक सूचना भले ही न मिली हो लेकिन एडवांस टीमों के दौरे और बाकी तैयारियों से यह लग रहा है कि वह भारत आ सकते हैं। अगर ऐसा है तो भारत और चीन की सीमा पर चौकसी को और ज्यादा बढ़ाने का समय आ गया है। बॉर्डर से लगती भारत की हर चौकी पर सेना को पूरी ताकत और साजो-सामान के साथ तैनात करना पड़ेगा। वहां पर संचार के साधन और बिजली की उपलब्धता को हर हाल में सुनिश्चित करने वाली व्यवस्था करनी होगी। रिजर्व फौज को भी तैयार रखना होगा ताकि आपात स्थिति में तुरंत मदद पहुंचाई जा सके। दोनों देशों के बीच सीमा पर हथियार नहीं चलाने का समझौता हो रखा है तो ऐसे में जाहिर तौर पर लड़ने के लिए अलग तरह की तैयारियां तो करनी ही पड़ेगी। इस तरह के हालात में सैन्य साजो-सामान, हथियार, बेहतर संचार के साधन, 24 घंटे बिजली की उपलब्धता, बेहतर सड़क और खाने-पीने के सामानों की भरपूर उपलब्धता के साथ ही बड़ी-बड़ी नुकीले कील लगे डंडे की भी जरूरत पड़ती है।

कानीडबरी में साहू समाज भवन शेड निर्माण का हुआ भूमिपूजन

रंजना साहू की पहल पर भाजपा नेता कुंजलाल देवांगन ने रखी आधारशिला

धमतरी। ग्राम कानीडबरी में हरदिहा साहू समाज भवन कानीडबरी में शेड निर्माण कार्य, बेतल घर से जागेशर घर की ओर नली निर्माण कार्य, ग्राम पंचायत अमेठी में अटल डिजिटल सेवा केंद्र का भूमिपूजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं धमतरी की पूर्व विधायक रंजना डीपेंद्र साहू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। रंजना साहू की पहल से स्वीकृत शेड निर्माण सहित अन्य विकास कार्यों का भूमिपूजन भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं भाजपा नेता कुंजलाल देवांगन के करकमलों से विधिवत पूजा.अर्चना के साथ संपन्न कराया। भूमि पूजन कार्यक्रम के दौरान समाज के लोगों ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय ने समाज भवन में शेड निर्माण को सामाजिक गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण पहल बताते हुए रंजना साहू का आभार व्यक्त किए। शेड निर्माण से सामाजिक बैठकों, सामुदायिक आयोजनों, विवाह एवं अन्य सार्वजनिक कार्यक्रमों के आयोजन में समाज के लोगों को सुविधा मिलेगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रंजना डीपेंद्र साहू ने कहा कि समाज के विकास के लिए सामाजिक भवनों का सुदृढ़ होना आवश्यक है, साहू समाज ने हमेशा सामाजिक एकता, सेवा और जनकल्याण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ग्राम कानीडबरी में साहू समाज भवन में शेड निर्माण की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी, समाज की मांग और आवश्यकता को देखते हुए इस कार्य को आगे बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि विकास कार्य केवल सड़क, नाली और भवन निर्माण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि समाज के लिए उपयोगी अधोसंरचना का निर्माण भी क्षेत्र के विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने आगे कहा कि समाज की एकता और सहयोग से ही गांव एवं क्षेत्र का सर्वांगीण विकास संभव है। भाजपा नेता एवं पूर्व जिलाध्यक्ष कुंजलाल देवांगन ने कहा कि साहू समाज हमेशा से सामाजिक समरसता, सेवा और संगठन की भावना के लिए जाना जाता है, समाज भवन में शेड निर्माण होने से यहां आयोजित होने वाले विभिन्न सामाजिक एवं सामुदायिक कार्यक्रमों में लोगों को सुविधा मिलेगीए जनप्रतिनिधियों और समाज के बीच बेहतर समन्वय से ही विकास कार्यों को गति मिलती है। उन्होंने इस कार्य के लिए रंजना साहू की पहल की सराहना करते हुए कहा कि क्षेत्र की आवश्यकताओं को समझकर विकास कार्यों को आगे बढ़ाना जनप्रतिनिधित्व की सार्थकता है। महिला मोर्चा जिला महामंत्री प्रियंका सिन्हा ने कहा कि साहू समाज भवन में शेड निर्माण होने से सामाजिक एवं सामुदायिक कार्यक्रमों के आयोजन में लोगों को काफी सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि रंजना साहू की पहल से क्षेत्र में लगातार विकास कार्यों को गति मिल रही है, जो जनहित के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए रंजना साहू एवं समाज के सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर सत्यप्रभा साहू जनपद सदस्य, पंकज साहू जिला मंत्री भारतीय जनता युवा मोर्चा, राजीव सिन्हा पूर्व जिला अध्यक्ष भारतीय जनता युवा मोर्चा, किशोर साहू जिला अध्यक्ष हरदिहा साहू समाज युवा प्रकोष्ट धमतरी, आनंद राम साहू, श्याम लाल साहू, बंसीलाल साहू, वेद प्रकाश, दिलीप साहू, अक्तू राम साहू सहित साहू समाज के पदाधिकारी, सामाजिक बंधु एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

सरायपाली-सरसीवां मार्ग बदहाल सड़क पर बह रहा पानी

भंवरपुर। सरायपाली-सरसीवां मार्ग की बदहाली इन दिनों राहगीरों और वाहन चालकों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। सागरपाली एवं बालसी नाला के पास सड़क की स्थिति ऐसी हो गई है कि बारिश का पानी सड़क पर बहने के साथ-साथ कई जगह सड़क ही नाली में तब्दील हो गई है। सड़क किनारे बना रहे भवन मालिकों द्वारा पुराने नालियों को पाट दिये जाने से जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं हो पा रही जिसके चलते सड़क पर लगातार बरसात का पानी जमा और बहता रहता है। लोगों का कहना है कि सड़क पर बहते पानी को रोकने और जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए जिम्मेदार विभाग आखिर कब जागेगा। सड़क की हालत लगातार बिगड़ने के बावजूद अब तक स्थायी समाधान नहीं होने से लोगों में नाराजगी बढ़ रही है तथा ख़राब सड़क की वजह से सरकार की छबि ख़राब हो रही है। सड़क की बदहाली को लेकर लोगों में यह भी सवाल उठने लगा है कि क्या विभाग की तंद्रा तभी टूटेगी, जब किसी वीआईपी का वाहन इस मार्ग पर फंसेगा? आम लोगों की परेशानी पर यदि समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले दिनों में समस्या और गंभीर हो सकती हैइस मार्ग से गुजरने वाले भारी वाहनों के कारण भी सड़क को लगातार नुकसान पहुंच रहा है। बारिश के दौरान पानी से कमजोर हुई सड़क पर भारी वाहनों की आवाजाही से गड्ढे और उभर रहे हैं तथा सड़क की सतह तेजी से खराब हो रही है। वहीं, सड़क की खराब हालत के लिए केवल सरकार या संबंधित विभाग को जिम्मेदार ठहराना भी पर्याप्त नहीं है। नियमों की अनदेखी कर ओवरलोड अथवा भारी वाहनों का संचालन करने वाले लोगों की भूमिका भी कम नहीं है। लोगों का कहना है कि सड़क को बचाने के लिए प्रशासन को जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त करने, सड़क की मरम्मत कराने और भारी वाहनों के आवागमन पर प्रभावी निगरानी रखने की जरूरत है। वहीं वाहन चालकों और आम जनता को भी सड़क की क्षमता और यातायात नियमों का पालन करना होगा। अब देखना यह है कि सरसीवां-सरायपाली मार्ग की बदहाली दूर करने के लिए विभाग कब ठोस कदम उठाता है, या फिर लोगों को इसी बदहाल सड़क से गुजरने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

कलेक्टर रणबीर शर्मा ने जनदर्शन में सुनी नागरिकों की समस्याएं

गरियाबंद। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन में जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने कलेक्टर रणबीर शर्मा के समक्ष अपनी मांग, शिकायत एवं समस्याएं रखीं। कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदनों को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्रकरणों का परीक्षण कर नियमानुसार तथा समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में कुल 33 आवेदन प्राप्त हुए। जनदर्शन में गरियाबंद के रावनभाटा निवासी राजू यादव ने जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए कलेक्टर शर्मा को आवेदन सौंपा। इस पर कलेक्टर ने राजस्व विभाग के अधिकारियों को उनके लिए जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए निर्देशित किया। इसी प्रकार ग्राम मौहाभाटा के ग्रामीणों ने घास भूमि को आबादी भूमि घोषित करने, ग्राम तुहामेटा के बिसनाथ ने प्रधानमंत्री आवास योजना का तीसरा किश्त की राशि दिलाने, ग्राम गोनबोरा के भगवान सिंह, फूलझर के अमरसिंग, अंतुराम भुंजिया और नन्द कुमार ने एग्रीस्टेक पंजीयन कराने के लिए आवेदन सौंपा। इस पर कलेक्टर ने मौके पर उपस्थित कृषि विभाग के उप संचालक को अपने समक्ष बुलाकर किसानों का एग्रीस्टेक पंजीयन शीघ्र कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर शर्मा ने आवेदकों से उनकी समस्याओं के संबंध में अधिकारियों को पात्रता के आधार पर हितग्राहियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने एवं आपसी समन्वय से कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को प्रकरणों की नियमित समीक्षा करते हुए निर्धारित समय-सीमा में निराकरण की जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत के सीईओ प्रखर चंद्राकर, अपर कलेक्टर पंकज डाहिरे सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

पवन खेड़ा का मानसिक संतुलन बिगड़ा, अमित शाह पर अनर्गल बयानबाजी बंद करे कांग्रेस : रंजना साहू

पायनियर संवाददाता ◂ धमतरी
www.dailypioneer.com

कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा द्वारा देश के गृहमंत्री अमित शाह पर दिए गए अमर्यादित बयान पर भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक रंजना डीपेंद्र साहू ने कड़ा पलटवार किया है। साहू ने कहा कि पवन खेड़ा का बयान कांग्रेस की बौखलाहट और हताशा को दर्शाता है। जिस पवन खेड़ा को सोनिया गांधी तक नहीं जानती, उसकी क्या हैसियत जो देश के गृहमंत्री पर टिप्पणी करे। जिस प्रकार से कांग्रेस घुसपैठियों का समर्थन कर रही है और देश की सुरक्षा पर सवाल उठा रही है, वह अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने कहा कि अमित शाह ने 11 साल में देश की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत किया है, नक्सलवाद और आतंकवाद पर नकेल कसी है। कांग्रेस ने अपने शासनकाल में सिर्फ तुष्टिकरण की राजनीति की है। पवन खेड़ा को पहले अपनी पार्टी के 70 साल के काले कारनामों का हिसाब देना चाहिए। साहू ने आगे कहा कि कांग्रेस नेता द्वारा हिंदू-मुस्लिम का राग अलापना और मुस्लिम घुसपैठ जैसे गंभीर मुद्दे पर राजनीति करना, कांग्रेस के वोट बैंक की गंदी मानसिकता को उजागर करता है। देश की जनता कांग्रेस के इस दोहरे चरित्र को समझ चुकी है। उन्होंने मांग की कि पवन खेड़ा अपने बयान के लिए देश के गृहमंत्री और देश की जनता से माफी मांगें।

नगरपालिका अध्यक्ष ज्योति भानु चन्द्राकर की अध्यक्षता में हुई सामान्य सभा की बैठक

कुरूद। नगरपालिका का आठवीं सामान्य सभा परिषद बैठक अध्यक्ष ज्योति भानु चन्द्राकर के अध्यक्षता मे संपन्न हुआ, नगरवासियों के सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए, सुशासन लाने के दिशा मे एवं नगर विकास कार्यों को आगे बढ़ाने शासन के नियमानुसार हर दो माह में परिषद बैठक वर्तमान परिषद के द्वारा किया जा रहा है। अध्यक्ष ज्योति भानु चन्द्राकर ने 11 बिंदुओं मे एजेंडा तैयार किये थे जिसमे मुख्य रूप से नगर विकास कार्यों मे बिजली कार्य के लिए 1 करोड़ 25 लाख और नये बाजार कुरूद में 2 करोड़ के लागत से उन्नयीकरण कार्य एवं सौंदर्यीकरण कार्य इस प्रकार नगर विकास के कार्यों के लिए 3 करोड़ 25 लाख निविदाओं का अनुमोदन सर्व सम्मति से परिषद ने निर्णय लिये है। परिषद बैठक में अध्यक्ष के द्वारा लाये गये प्रस्ताव नगर में मूलभूत सुविधाओं के छोटे छोटे कार्यों को प्राथमिकता से निवारण करने हेतु एवं आवश्यक जरूरी कार्यों को शासन के विभिन्न निधियों से कराने के लिए प्रस्ताव तैयार कर भेजा जा रहा है। इसी प्रकार नगर को सुंदर बनाने के दिशा में नये बाजार को विकसित करने के लिए कबाड़ के रूप अतिक्रमित रोड जाम के स्थिति को देखते हुए आम नागरिकों के मांग पर परिषद के सदस्यों ने सर्वसम्मति से नगर सीमा से बाहर सभी कबाड़ियों को व्यवसाय संचालित करने के लिए जगह चिन्हांकित किया जायेगा, विपक्षी पार्षदों के मांग पर अध्यक्ष द्वारा नगर विकास कार्यों के लिए भूमि मांग के शासकीय प्रकिया को जाचं कराने के लिए तीन ऐजेन्डा में सहमति नहीं बन पाई और शासकीय प्रकिया में सत्ता पक्ष के पार्षद एवं अध्यक्ष ने सहमति दिये है, उसी प्रकार विपक्षी पार्षदों ने असहमति दर्ज कराते हुए प्रक्रियाओं में जाँच कराने के लिए माँग किये है। परिषद बैठक राष्ट्रगान से शुभारंभ पश्चात चर्चा परिचर्चा में मूलभूत कार्यों एवं बिजली कार्यों को सुचारू रूप से संचालन करने के लिए दो टीम का गठन किया गया, परिषद समापन के बाद नगरपालिका के पार्षद रवि मानिकपुरी के धर्म पत्नी स्वर्गीय कुलेश्वरी मानिकपुरी एवं सीएमओ गुप्ता के भाई स्वर्गीय विकेश गुप्ता को नगरपालिका परिषद कुरूद द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित किया गया, आठवें परिषद के कार्यवाही के लिए नगरपालिका अध्यक्ष ज्योति भानु चन्द्राकर, उपाध्यक्ष देवव्रत साहु, नेता प्रतिपक्ष डूमेश साहु, सभापतिगण मिथलेश बैस, सितेश सिन्हा, महेन्द्र गायकवाड़, राजकुमारी ध्रुव, पार्षदगण उत्तम साहु, रजत चन्द्राकर, उर्वशी रजत चन्द्राकर, रवि मानिकपुरी, कविता चन्द्राकर, अर्जुन ध्रुव, राखी यमुना चन्द्राकर, मनीष साहु, मंजू प्रमोद साहु, एल्डरमेनगण भानु चन्द्राकर, खिलावन यादव, नन्दु चन्द्राकर, खिलेश्वर देवांगन, महावीर साहु सभी सम्मानिय पार्षदों का गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापित किया, नगरपालिका के इंजीनियर सहित सभी विभागों के कर्मचारीगण एवं प्रभारी सम्मिलित हुए।

सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के उल्लंघन के खिलाफ बड़ी कार्यवाही

सरायपाली। परिवहन विभाग ने सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के उल्लंघन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पिछले तीन-चार दिनों से लगातार चेकिंग अभियान चलाया.जा रहा है छत्तीसगढ़ परिवहन आयुक्त एस. प्रकाश के निर्देशानुसार एवं अपर परिवहन आयुक्त डी. रविशंकर के आदेशानुसार खम्हारपाली परिवहन चेकपोस्ट प्रभारी नरेंद्र साहू के नेतृत्व में परिवहन विभाग की टीम द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर लगातार दूसरे दिन भी विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान परिवहन चेकपोस्ट के आसपास स्थित ढाबों एवं मुख्य मार्गों पर सड़क किनारे खड़े वाहनों की जांच की गई। जांच में यातायात नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कुल 14 वाहनों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान 36,000 समन शुल्क लिया गया।टीम द्वारा वाहन चालकों को सड़क किनारे वाहन खड़ा करने से होने वाले संभावित हादसों एवं यातायात बाधित होने की स्थिति के संबंध में समझाइश दी गई। वाहन चालकों से अपील की गई कि वे सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें और वाहनों को निर्धारित एवं सुरक्षित स्थानों पर ही खड़ा करें। परिवहन विभाग ने कहा कि सड़क सुरक्षा एवं सुगम यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए ऐसे विशेष अभियान लगातार जारी रहेंगे। वाहन चालकों से अपील की गई कि वे यातायात नियमों का पालन कर स्वयं के साथ-साथ अन्य राहगीरों और वाहन चालकों की सुरक्षा में सहयोग करें। लगातार दो दिनों की कार्रवाई में कुल 22 वाहनों पर कार्रवाई कर 56,000 समन शुल्क लिया गया।

अभियान का उद्देश्य केवल चालान नहीं दुर्घटनाओं को रोकना है : नरेन्द्र साहू

प्रभारी निरीक्षक नरेन्द्र साहू चेक पोस्ट खम्हापाली ने कहा कि सड़क सुरक्षा परिवहन विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। सड़क किनारे असुरक्षित रूप से खड़े वाहन, ओवरस्पीडिंग, ओवरलोडिंग, नशे में वाहन चलाना तथा वाहन की बॉडी से बाहर निकली सरिया या अन्य सामग्री सड़क दुर्घटनाओं की गंभीर वजह बन सकती है। इस विशेष अभियान का उद्देश्य केवल चालान करना नहीं, बल्कि ऐसे जोखिमपूर्ण व्यवहार को रोककर सड़क दुर्घटनाओं और उनमें होने वाली जनहानि को न्यूनतम करना है। साथ ही गंभीर एवं जानलेवा उल्लंघनों के विरुद्ध प्रभावी और निरंतर कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।उन्होंने वाहन चालकों एवं वाहन स्वामियों से भी अपील की कि सड़क सुरक्षा को केवल कानून पालन के रूप में न देखें, बल्कि स्वयं तथा अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं के जीवन की सुरक्षा से जुड़ी सामूहिक जिम्मेदारी के रूप में अपनाएं।

आकांक्षा हाट में स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने लगाई राखियों की दुकान

गरियाबंद। कलेक्ट्रेट परिसर में एवं जनपद पंचायत कार्यालय परिसर में गायत्री स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा आकांक्षा हाट का आयोजन कर हस्तनिर्मित राखियों का विक्रय किया जा रहा है। कलेक्टर रणबीर शर्मा एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर ने आकांक्षा हाट का अवलोकन कर स्व सहायता समूह की महिलाओं को प्रोत्साहित किया। उन्होंने समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित राखियां खरीदीं और उनके प्रयासों की सराहना करते हुए आजीविका गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए शुभकामनाएं दीं। इस दौरान समूह की सदस्य भोजेश्वरी ध्रुव एवं गुंजा ध्रुव ने बताया कि वे खेती-किसानी के कार्यों के साथ प्रतिदिन 2 से 3 घंटे अतिरिक्त समय निकालकर हस्तनिर्मित राखियों का निर्माण कर रही हैं। इस सीजन में उन्होंने करीब 1 हजार राखियां तैयार की हैं। जिनके विक्रय से अब तक 8 हजार रुपये से अधिक की बिक्री हुई है। राखियों की बिक्री अभी भी जारी है, जिससे आय में और वृद्धि होगी। दीदियों ने बताया कि राखी निर्माण के साथ-साथ वे सिलाई-कढ़ाई का कार्य भी कर रही हैं। कलेक्टर रणबीर शर्मा ने महिलाओं द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि स्व सहायता समूहों से जुड़कर महिलाएं अपनी मेहनत और हुनर को आजीविका का माध्यम बना रही हैं। स्थानीय स्तर पर तैयार उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने से उनकी आय बढ़ने के साथ आर्थिक आत्मनिर्भरता को भी बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने समूह की महिलाओं को निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते हुए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर एसडीएम हितेश्वरी बाघे, जनपद पंचायत सीईओ नम्रता शर्मा सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

यादवी संघर्ष की कांग्रेस से तुलना पर समाज नाराज

सरायपाली। कुरूद विधायक अजय चंद्राकर के एक बयान पर कड़ी आपत्ति जताते हुए अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी नरेन्द्र कुमार यादव ने कहा कि चंद्राकर के बयान से यादव समाज में नाराजगी है और समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने विज्ञप्ति में मांग की है कि विधायक अजय चंद्राकर अपने बयान पर स्पष्टीकरण दें और यादव समाज से माफी मांगे। उन्होंने आगे कहा कि यादव समाज बहुत ही स्वाभिमानी है तथा राष्ट्रहित, जनहित परोपकार में समाज का विशेष योगदान रहा है। यादव ने कहा, अजय चंद्राकर द्वारा यादव समाज के संबंध में ऐसा आपत्तिजनक वक्तव्य देने से सामाजिक सौहार्द, संस्कृति, स्वाभिमान आहत हुआ है। यादव ने कहा कि भगवान कृष्ण और महाभारत से जुड़े प्रसंग यादव समाज की आस्था एवं गौरव से जुड़े हैं। ऐसे प्रसंग को राजनीतिक टिप्पणी के संदर्भ में इस्तेमाल किया जाना उचित नहीं है। यादव ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में रहने वाले जनप्रतिनिधियों से भाषा, व्यवहार और बयानों में मर्यादा की अपेक्षा की जाती है। राजनीतिक विरोध और वैचारिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन किसी समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली टिप्पणी को सामान्य राजनीतिक बयान मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

ग्राम पंचायत किसड़ी के सरपंच के विरुद्ध कार्यवाही करने एसडीएम ने जारी किया नोटिस

सरायपाली। जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत किसड़ी के सरपंच नीलमणि रात्रे के खिलाफ अनेकों शिकायतों को देखते हुवे जिला पंचायत सीईओ द्वारा सरायपाली अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को पत्र लिखकर धारा 40 व अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही किए जाने की अनुशंसा की गई थी। इस पत्र के परिपेक्ष्य में उक्त सरपंच को एसडीएम कार्यालय से नोटिस जारी किए जाने की जानकारी दी गई है। ज्ञात हो कि उक्त सरपंच नीलमणि रात्रे के खिलाफ किसड़ी के अनेक शिकायतकर्ताओं द्वारा जिला पंचायत के सीईओ को 8 विभिन्न बिंदुओं पर सप्रमाण शिकायत की गई थी। जिस पर जांच उपरांत शिकायतें सही पाई गई। जिसके आधार पर सीईओ द्वारा एक पत्र सरायपाली एसडीएम को धारा 40 के तहत कार्यवाही किए जाने बाबत अनुशंसा की गई है। एसडीएम को भेजे गए पत्र में सीईओ ने लिखा है कि ग्राम पंचायत किसड़ी जनपद पंचायत सरायपाली के सरपंच नीलमणी रात्रे के विरूद्ध फर्जी पंचायत प्रस्ताव प्रतिलिपि बनाकर शासकीय घास भूमि का अवैध आबंटन करनें तथा उक्त फर्जी बैठक की नकल फर्म पर शिकायतकर्ता पंचगण को धोखा देकर हस्ताक्षर कराने तथा पंचायत सचिव पर हस्ताक्षर करनें हेतु दबाव डालने, पुराने सबमर्सिबल मोटर पंप को बोरवेल्स में लगाकर नया सबमर्सिबल मोटर पंप का बिल लगाकर भुगतान करनें हेतु दबाव बनाने, 02 नग कुलर 18000.00, 02 नग सीलिंग फैन 5000.00, प्रिंटर 15000.00, चेयर कुर्सी 01 नग 6000.00 का फर्जी बिल पंचायत में पेश कर भुगतान करनें हेतु दबाव बनाने तथा बिना पंचायत प्रस्ताव पारित किये ग्राम पंचायत भवन किसड़ी मे लगे शटर दरवाजा को हटाकर ईट से रास्ता बंद कर देने, बिना पंचायत प्रस्ताव पारित किये स्व सहायता समूह भवन को अपने भाई को किराये में देकर राशि हड़पने तथा वर्ष 2024-25 के बाजार ठेका की संपूर्ण राशि को हड़पने के संबंध में शिकायत की गई थी। उक्त शिकायत की जांच कार्यालयीन आदेश क्रमांक पंचा. शिका./2026/1064 दिनांक 14.05.2026 के माध्यम से कराया गया। जांच अधिकारियों के द्वारा जांच की प्रक्रिया पूर्ण कर 16.06.2026 को जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए अभिमत क्रमांक 1, 2, 3, 5 एवं 6 में सरपंच के विरूद्ध पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा 40 एवं अन्य धारा के तहत कार्यवाही करनें हेतु अभिमत प्रदाय किया गया है। जांच प्रतिवेदन संलग्न है। ग्राम पंचायत किसड़ी जनपद पंचायत सरायपाली के सरपंच नीलमणी रात्रे के विरूद्ध पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा 40 एवं अन्य धारा के तहत नियमानुसार कार्यवाही हेतु प्रकरण दर्ज किया गया है। ज्ञातव्य हो कि सरपंच द्वारा ग्राम पंचायतों की बैठकों से भी गायब हो जाता है बैठक आहूत किए जाने के बाद नहीं आता। इसकी शिकायत सचिव व पंचो द्वारा लिखित में सीईओ एवं एसडीएम को दी गई थी। दस्तावेजों के अनुसार आर्यन कंप्यूटर सरायपाली से 5/4/2025 को कंप्यूटर सेट जिसमें कोई विवरण नहीं है प्रिंटर का 15000/अतः सीसीटीवी सेट 1 पीस 10000/- रुपए का फर्जी बिल संलग्न किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

कोतरलिया गुड्स शेड में रखे लगभग 800 टन कोयले की खुली नीलामी 4 सितम्बर 2026 को

बिलासपुर। मंडल के कोतरलिया गुड्स शेड में रखे लगभग 800 टन अनक्लेम्ड कोयले की खुली नीलामी 04 सितम्बर 2026 (शुक्रवार) को दोपहर 12.00 बजे कोतरलिया रेलवे स्टेशन स्थित मुख्य स्टेशन प्रबंधक कार्यालय में आयोजित की जाएगी। यह नीलामी सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति के अनुसार संपन्न होगी। इच्छुक व्यक्ति, फर्म एवं संस्थान निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर उपस्थित होकर इस नीलामी प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं । नियमानुसार सर्वोच्च बोलीदाता के पक्ष में नीलामी स्वीकृत की जाएगी। नीलामी में सफल बोलीदाता को क्रय किए गए कोयले के संपूर्ण मूल्य के साथ 18 प्रतिशत जीएसटी का भुगतान नकद अथवा डिमांड ड्राफ्ट (ड्ड) के माध्यम से नीलामी स्थल पर ही करना होगा। साथ ही, सफल बोलीदाता को नीलामी की तिथि से 10 दिनों के भीतर अपने जोखिम एवं व्यय पर संबंधित कोयले को रेलवे परिसर से हटाना अनिवार्य होगा। निर्धारित अवधि के भीतर सामग्री नहीं हटाए जाने अथवा इसके संबंध में उत्पन्न किसी भी प्रकार की जिम्मेदारी का वहन रेलवे प्रशासन द्वारा नहीं किया जाएगा।

श्री गंगानगर पुरी श्री गंगानगर एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त एसी-3 कोच की सुविधा

बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की बेहतर यात्रा सुविधा व अधिकाधिक यात्रियों को कंफर्म बर्थ उपलब्ध कराने हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से गुजरने वाली गाड़ी 20471/20472 श्री गंगानगरङ्कपुरीङ्कश्री गंगानगर एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त एसी–3 कोच की सुविधा अस्थायी रूप से उपलब्ध कराई जा रही है 7 इस व्यवस्था के तहत श्री गंगानगर से चलने वाली गाड़ी संख्या 20471 श्री गंगानगरङ्कपुरी एक्सप्रेस में दिनांक 06 से 27 सितम्बर 2026 तक तथा पुरी से चलने वाली गाड़ी संख्या 20472 पुरीङ्कश्री गंगानगर एक्सप्रेस में दिनांक 09 से 30 सितम्बर 2026 तक एक अतिरिक्त एसी थ्री कोच की सुविधा अस्थायी रूप से उपलब्ध रहेगी। इस सुविधा की उपलब्धता से इस गाड़ी में यात्रा करने वाले अधिकाधिक यात्री लाभान्वित होंगे

लेखा प्रशिक्षण हेतु आवेदन 30 सितम्बर तक

बिलासपुर। प्राचार्य शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला बिलासपुर द्वारा आगामी लेखा प्रशिक्षण सत्र नवम्बर 2026 से फरवरी 2027 तक के लिए आवेदन–पत्र दिनांक 01 सितम्बर 2026 से 30 सितम्बर 2026 तक आमंत्रित किये गये हैं। बिलासपुर संभाग अधीनस्थ समस्त कार्यालय प्रमुखों से अपेक्षा की गई है कि वे अपने विभाग एवं कार्यालय में पदस्थ लिपिक वर्गीय कर्मचारी जिन्होंने तीन वर्ष की नियमित सेवा पूरी कर चुके, लेखा प्रशिक्षण हेतु इच्छुक लिपिक वर्गीय कर्मचारियों का निर्धारित प्रपत्र में आवेदन पत्र शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला न्यू कम्पोजिट बिल्डिंग, तृतीय तल बिलासपुर को प्रेषित करें। आवेदन पत्र इस प्रकार भेजने की व्यवस्था करें कि दिनांक 01 सितम्बर 2026 से 30 सितम्बर 2026 तक निर्धारित कार्यालयीन समय में इस कार्यालय को प्राप्त हो जावे। पूर्व में आवेदन कर चुके सभी कर्मचारियों को भी इस सूचना के प्रकाशन उपरांत प्रवेश हेतु पुन: आवेदन करना अनिवार्य है।

महतारी वंदन सम्मान समारोह के अवसर पर महिलाओं को सुपोषण किट एवं मुनगा पौधे का किया गया वितरण

बालोद। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज विकासखण्ड मुख्यालय डौण्डीलोहारा के लाल रघुवीर सिंह स्टेडियम में आयोजित महतारी वंदन सम्मान समारोह के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने महिलाओं को सम्मानित करते हुए उन्हें सुपोषण किट एवं मुनगा पौधे का वितरण किया गया। ज्ञातव्य हो कि बालोद जिले में चलाए जा रहे कुपोषण मुक्ति अभियान के अंतर्गत बालोद जिला प्रशासन के विशेष पहल पर माताओं एवं शिशुओं को बेहतर स्वास्थ्य सुनिश्चित करने हेतु विटामिन, मिनरल और एंटी–ऑक्सीडेंट्स से परिपूर्ण एवं पौष्टिकता का पर्याय मुनगा पौधे का वितरण किया गया। उल्लेखनीय है कि आज आयोजित महतारी वंदन सम्मान समारोह में कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा एवं जिला प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा मुख्यमंत्री श्री साय एवं अतिथियों को पौधा भेंटकर सम्मान किया। इस मौके पर वन विभाग के द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को भी मुनगे के पौधे का वितरण किया गया। इस मौके पर कांकेर लोकसभा क्षेत्र के सांसद भोजराज नाग, पूर्व सांसद सुश्री सरोज पांडे, जिला पंचायत अध्यक्ष तारणी पुष्पेंद्र चंद्राकर, राज्य एथेलेटिक संघ के उपाध्यक्ष सौरभ लूनिया, नगर पंचायत डौण्डीलोहारा के अध्यक्ष लाल निवेन्द्र सिंह टेकाम, पूर्व विधायक वीरेंद्र साहू एवं श्री राजेंद्र राय, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि चेमन देशमुख।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बिलासपुर की प्रथम छमाही बैठक आयोजित

06 सदस्य कार्यालयों को राजभाषा शील्ड एवं राजभाषा ट्रॉफी से सम्मानित

बिलासपुर। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बिलासपुर की वर्ष 2026–27 की प्रथम छमाही बैठक का आयोजन श्री तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर की अध्यक्षता में आज दिनांक 27 अगस्त 2026 को महाप्रबंधक कार्यालय के जोनल सभाकक्ष में किया गया । इस अवसर पर समिति के उपाध्यक्ष एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी व प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक, श्री बिजय कुमार द्वारा श्री तरुण प्रकाश, अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक, द.पू.म.रेलवे, बिलासपुर तथा बिलासपुर नगर स्थित केंद्रीय कार्यालयों, उपक्रमों एवं निगमों के प्रमुखों एवं प्रतिनिधियों का स्वागत किया गया । अक्टूबर 2025 से मार्च 2026 तक हुई राजभाषा प्रगति की समीक्षा हेतु आयोजित इस बैठक में बिलासपुर नगर स्थित केंद्रीय कार्यालयों, उपक्रमों एवं निगमों के कुल 38 सदस्य कार्यालय उपस्थित हुए । बैठक में गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित कार्यसूची के अनुसार विस्तारपूर्वक चर्चा की गई । इस अवसर पर अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक के करकमलों से नगर राजभाषा शील्ड प्रतिस्पर्धा–2025 में लघु कार्यालय श्रेणी में रेलवे भर्ती बोर्ड, बिलासपुर को प्रथम पुरस्कार, मौसम विज्ञान केन्द्र, बिलासपुर को द्वितीय पुरस्कार, मध्यम कार्यालय श्रेणी में डाकघर, बिलासपुर को प्रथम पुरस्कार, कोयला खान भविष्य निधि संगठन, बिलासपुर को द्वितीय पुरस्कार तथा दीर्घ कार्यालय श्रेणी में मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, बिलासपुर को प्रथम पुरस्कार एवं एन.टी.पी.सी. बिलासपुर को द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया । अपने संबोधन में श्री तरुण प्रकाश, अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर ने राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले 06 सदस्य कार्यालयों को राजभाषा शील्ड एवं राजभाषा ट्रॉफी प्राप्त करने पर बधाई दी । उन्होंने कहा कि हिंदी भारत की राजभाषा

है और सरकारी कामकाज में इसका अधिकाधिक प्रयोग किया जाना आवश्यक है । उन्होंने सभी सदस्य कार्यालयों से आग्रह किया कि अपने संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए अपने कार्यालय में राजभाषा हिंदी के प्रयोग–प्रसार में वृद्धि करें। श्री प्रकाश ने आगे कहा कि नराकास सचिवालय में दिनांक 14 सितंबर 2026 से 28 सितंबर 2026 तक राजभाषा पखवाड़ा मनाया जायेगा, जिसमें आयोजित प्रतियोगिताओं में सभी सदस्य कार्यालय अधिकाधिक संख्या में अपने अधिकारियों और कर्मचारियों को भाग लेने हेतु प्रोत्साहित करें । उन्होंने विश्वास जताया कि नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बिलासपुर (कार्यालय) को एक आदर्श समिति बनाने के लिए सभी सदस्य कार्यालय अपना सक्रिय सहयोग प्रदान करेंगे । इस अवसर पर श्री बिजय कुमार, उपाध्यक्ष/नराकास एवं प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक ने कहा कि इस वर्ष गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा हिंदी दिवस एवं छठा अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन 14 एवं 15 सितंबर, 2026 को सिडको एक्जीबिशन सेंटर, नवी मुंबई में किया जा रहा है । उन्होंने सभी कार्यालयों में हिंदी पखवाड़ा/माह पूरे उत्साह से आयोजित करने के निदेश दिए । उन्होंने आगे कहा कि वर्ष 2025–26 की प्रथम बैठक में उप निदेशक (कार्यान्वयन), गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, भोपाल द्वारा अनुरोध किया गया था कि नगर राजभाषा शील्ड प्रतिस्पर्धा में प्रदान किये जाने वाले पुरस्कारों की संख्या बढ़ाई जाए । इस पर विचार करते हुए पुरस्कारों की संख्या में वृद्धि की गई है तथा समिति के बैंक एवं बीमा श्रेणी के कार्यालयों को पृथक कर नराकास (बैंक) का गठन किया गया है । नगर राजभाषा शील्ड प्रतिस्पर्धा में पुरस्कार प्रदान करने हेतु तीन श्रेणियां निर्धारित की गई हैं, जिसमें 01 से 10 तक कार्मिकों वाले कार्यालय को लघु कार्यालय श्रेणी, 11 से 50 तक कार्मिकों वाले कार्यालय को मध्यम कार्यालय श्रेणी तथा 50 से अधिक कार्मिकों वाले कार्यालय को दीर्घ कार्यालय श्रेणी में रखा गया है ।

उज्ज्वला गैस की सुविधा से इस रक्षाबंधन श्रीमती बिंदेश्वरी बना रहीं स्वादिष्ट पकवान

■ धुएं से मिली मुक्ति, मुख्यमंत्री श्री विष्णु भैया का जताया आभार

बिलासपुर। शहर की श्रीमती बिंदेश्वरी राजपूत उज्ज्वला गैस योजना की लाभार्थी हैं। उन्होंने बताया कि उज्ज्वला गैस योजना का लाभ मिलने से पहले खाना पकाने के लिए उन्हें लकड़ी और गोबर के कंडों का सहारा लेना पड़ता था। चूल्हे से निकलने वाले धुएं के कारण पूरा घर धुएं से भर जाता था। धुएं से आंखों में जलन होती थी और खाना बनाना भी काफी परेशानी भरा काम था। कई बार धुएं के कारण रसोई में ज्यादा देर तक खड़े रहना मुश्किल हो जाता था। उज्ज्वला गैस योजना के तहत गैस कनेक्शन मिलने के बाद उनके दैनिक जीवन में बड़ा बदलाव आया है। अब उन्हें लकड़ी और कंडों के धुएं से छुटकारा मिल गया है। गैस सिलेण्डर की सुविधा से खाना बनाना आसान और सुविधाजनक हो गया है। पहले जहां खाना बनाने में काफी समय लगता था, वहीं अब कम समय में आसानी से भोजन तैयार हो जाता है। रसोई भी धुएं से मुक्त रहती है, जिससे परिवार के सदस्यों को भी राहत मिली है। रक्षाबंधन पर्व को लेकर श्रीमती बिंदेश्वरी राजपूत इन दिनों तैयारियों में जुटी हुई हैं। भाई–बहन के स्नेह और प्रेम के इस पर्व को लेकर उनके घर में भी उत्साह का माहौल है। उज्ज्वला गैस योजना के तहत मिले गैस कनेक्शन ने इस बार रक्षाबंधन की तैयारियों को उनके लिए और भी आसान बना दिया है। वे उज्ज्वला गैस सिलेण्डर का उपयोग कर परिवार के लिए अच्छे–अच्छे पकवान और स्वादिष्ट व्यंजन तैयार कर रही हैं। उन्होंने बताया कि पहले चूल्हे के धुएं के बीच पकवान बनाना काफी कठिन होता था, लेकिन अब गैस की सुविधा से बिना किसी परेशानी के त्योहार के लिए मनपसंद व्यंजन बनाए जा रहे हैं। उन्होंने इस सुविधा के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु भैया का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उज्ज्वला गैस योजना से उनके घर की रसोई में सुविधा, स्वच्छता और खुशियां आई हैं।

विद्यालय में राखी एवं थाल सजाव प्रतियोगिता का आयोजन किया.....

बिलासपुर। स्वामी विवेकानंद विद्या मंदिर एवं विवेकानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल बेलतरा परिसर में दिनांक 27 अगस्त 2026 को विद्यार्थियों में रचनात्मकता, कलात्मक प्रतिभा एवं भारतीय संस्कृति के प्रति रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से राखी एवं थाल सजाव प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विद्यालय परिसर में ही आकर्षक एवं सुंदर राखियों का निर्माण किया तथा विभिन्न रंगों, सजावटी सामग्रियों एवं रचनात्मक कल्पनाओं का प्रयोग करते हुए थालों को सुंदर ढंग से सजाया। प्रतियोगिता के लिए आवश्यक सामग्री विद्यार्थी अपने साथ लेकर आए थे। इस आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मक प्रतिभा प्रदर्शित करने

के साथ–साथ भाई–बहन के प्रेम एवं रक्षाबंधन पर्व की सांस्कृतिक भावना को समझने का अवसर मिला। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ प्रतियोगिता में सहभागिता की। राखी बनाने के लिए प्राथमिक पूर्व प्राथमिक स्तर से धरती उइके, परिधि श्रीवास, अंकिता प्रधान, पूर्वी कश्यप, प्रभात कुमार सोनवानी, साक्षी कश्यप, प्रदीपति उइके, दिव्यांशी श्रीवास, अदिति कश्यप, अंकिता सूर्यवंशी, उन्नति मरावी, सान्वी सोनवानी, खुशी तिवारी, दृष्टि कश्यप, अनन्या कश्यप ने अपने साथ सामग्री लेकर प्रतियोगिता में भाग लिये । पूर्व माध्यमिक स्तर से आरोही, सनाया, ऐश्वर्य लक्ष्मी, माही धीवर, माही कश्यप, शिवेश, निकिता श्याम, मानवी धीवर, रिंकी साहू, अंश बरेठ, सोम साहू, रुपाली ने भाग लिये । भाव्या कश्यप, अनन्या टेकाम, आश्वी, टीशा यादव, अमन साहू, अंश कश्यप, सानिध्य सोनी ने राखी बनाने के लिए भाग लिये ।

साइबर जागृति अभियान तेज: बैंकों और सार्वजनिक संस्थानों में लोगों को किया जागरूक

कोरबा। जिले में साइबर अपराधों से बचाव और डिजिटल लेनदेन को सुरक्षित बनाने के लिए कोरबा पुलिस का साइबर जागृति अभियान लगातार जारी है। अभियान के दूसरे सप्ताह में मंगलवार को जिले के विभिन्न बैंकिंग संस्थानों, औद्योगिक एवं सार्वजनिक क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान पुलिस टीमों ने नागरिकों को यूपीआई फ्रॉड, बैंक फ्रॉड और साइबर ठगी से बचने के उपाय बताए। साइबर जागृति अभियान के तहत कलेक्टोरेट सभागार में विभिन्न बैंकों की जिलास्तरीय बैठक भी आयोजित की गई। बैठक में साइबर अपराधों की रोकथाम, वित्तीय धोखाधड़ी और डिजिटल बैंकिंग के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गई। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के मार्गदर्शन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लखन पटले के निर्देशन में थाना कोतवाली, बालको, दर्री, दीपका, बांकीमोंगरा, सिविल लाइन, पाली, बांगो, रजगामार और चैतमा की पुलिस टीमों ने अलग–अलग स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। दीपका के यूको बैंक, कटघोरा के एसबीआई बैंक, बांगो के लमना उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, महिला थाना क्षेत्र के छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक दर्री, शासकीय विद्यालय गोपालपुर, हरदीबाजार के छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक, बालको के ग्रामीण बैंक व आईसीआईसीआई बैंक, उरगा के एसबीआई बैंक व ग्रामीण बैंक, टीपी नगर के पीएनबी बैंक, कोतवाली के एसबीआई पुराना बस स्टैंड, करतला के एसबीआई बैंक और पसान के एसबीआई कियोस्क सेंटर में नागरिकों को साइबर अपराधों से बचाव की जानकारी दी गई।

खाली लौटने वाली मालगाड़ियों में माल लदान का अवसर

■ भारतीय रेलवे की नई पहल से माल ग्राहकों को रियायती माल भाड़े का लाभ, उत्पादों की लागत कम करने और नए बाजारों तक पहुंच बढ़ाने में मिलेगी मदद

बिलासपुर। भारतीय रेलवे द्वारा मालगाड़ियों की उपलब्ध क्षमता का अधिकतम उपयोग करने तथा माल परिवहन को अधिक किफायती और सुगम बनाने के उद्देश्य से परंपरागत खाली प्रवाह दिशा योजना लागू की गई है। इस योजना के तहत उन दिशाओं में माल लदान को प्रोत्साहित किया जा रहा है, जहां मालगाड़ियां माल उतारने के बाद सामान्यत: खाली लौटती हैं। इस पहल से खाली लौटने वाली मालगाड़ियों की क्षमता का बेहतर उपयोग होगा और ग्राहकों को रियायती माल भाड़े पर अपने उत्पादों को रेल के माध्यम से विभिन्न स्थानों तक पहुंचाने का अवसर मिलेगा। साथ ही, इससे भारतीय रेलवे को अतिरिक्त माल यातायात प्राप्त करने में मदद मिलेगी। 01 अगस्त 2026 से लागू हैं संशोधित प्रावधान– परंपरागत खाली प्रवाह दिशा में माल लदान के लिए सरलीकृत स्वचालित माल भाड़ा छूट योजना जो कि पहले से लागू है के संशोधित प्रावधान 01 अगस्त 2026 से 31 जुलाई 2027 तक प्रभावी रहेंगे। अधिसूचित खाली प्रवाह दिशाओं में पात्र माल के लदान पर सामान्य माल भाड़े में 15 से 20 प्रतिशत तक की छूट प्रदान की जाएगी। यह छूट निर्धारित पात्रता एवं अन्य शर्तों के अनुसार लागू होगी। क्या है परंपरागत खाली प्रवाह दिशा योजना? – भारतीय रेलवे के कई मार्गों पर मालगाड़ियां एक दिशा में माल लेकर जाती हैं और माल उतारने के बाद दूसरी दिशा में खाली लौटती हैं। योजना का उद्देश्य ऐसी खाली वापसी यात्रा में उपलब्ध क्षमता का उपयोग माल ढुलाई के लिए करना है। अर्थात, जिस दिशा में मालगाड़ी सामान्यत: खाली लौटती है, उस दिशा में पात्र माल लदान करने वाले ग्राहक को कम माल भाड़े का लाभ मिल सकता है। ग्राहकों को स्वत: मिलेगा छूट का लाभ– योजना की महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि निर्धारित शर्तों को पूरा करने वाली पात्र माल खेप पर माल भाड़े में छूट रेलवे की व्यवस्था के माध्यम से स्वत: लागू होगी। इसके लिए ग्राहक को प्रत्येक पात्र खेप के लिए अलग से आवेदन करने की आवश्यकता नहीं होगी। छूट केवल रेलवे द्वारा निर्धारित एवं अधिसूचित खाली प्रवाह दिशाओं में पात्र माल पर लागू होगी। संबंधित दिशा, माल की पात्रता, छूट की दर तथा अन्य शर्तें निर्धारित रेलवे प्रावधानों के अनुसार होंगी। उद्योग और व्यापार जगत को मिलेगा व्यापक लाभ– यह योजना उद्योगों, व्यापारियों और अन्य माल ग्राहकों के लिए अपने उत्पादों को कम लागत में दूर–दराज के क्षेत्रों और नए बाजारों तक पहुंचाने का अवसर प्रदान करेगी। रियायती माल भाड़े के कारण माल ढुलाई की लागत कम होने से उत्पादों की कुल लागत को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी, जिसका लाभ आगे चलकर उपभोक्ताओं को भी मिल सकता है। इससे बाजार में वस्तुओं की कीमतों को कम रखने तथा महंगाई को नियंत्रित करने में भी सकारात्मक योगदान की संभावना है। इसके साथ ही, रेल के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों तक उत्पादों की आसान और किफायती पहुंच से व्यापारियों और उत्पादकों को नए बाजारों में अपने उत्पाद पहुंचाने का अवसर मिलेगा।

बिरहोर विकास प्रकोष्ठ की पहली बैठक.....हर परिवार तक पहुंचे शासन की योजनाओं का लाभ : कलेक्टर

■ बिरहोर समुदाय की जरूरत और रुचि के अनुरूप बनेगी विकास की कार्ययोजना

बिलासपुर। विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (ङ्कङ्कञ्जत्र) बिरहोर समुदाय के परिवारों तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से गठित बिरहोर विकास प्रकोष्ठ की पहली बैठक आज मंथन सभाकक्ष में कलेक्टर शसंजय अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्री रामगोपाल सहित सदस्य एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि जिले के मस्तूरी और कोटा विकासखंड के छह ग्रामों में बिरहोर समुदाय की लगभग साढ़े चार सौ आबादी निवासरत है। कलेक्टर ने बैठक में परिवारों के राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, वन अधिकार पट्टा सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं की उपलब्धता की जानकारी ली। उन्होंने कोटा जनपद सीईओ को निर्देश दिए कि प्रत्येक बिरहोर परिवार की परिवारवार जांच कर यह सुनिश्चित करें कि पात्र परिवार किसी भी योजना के लाभ से वंचित न रहे। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि सहित अन्य योजनाओं का लाभ मिलने की स्थिति की भी जानकारी लेने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने बच्चों की शिक्षा पर विशेष जोर देते हुए स्कूल एवं आंगनबाड़ी नहीं जाने वाले बच्चों की जानकारी लेकर उन्हें नियमित रूप से शिक्षा से जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों का स्कूल जाना और पढ़ना–लिखना सबसे जरूरी है। बिरहोर समुदाय के प्रतिनिधियों से उनकी आवश्यकताओं और

रोजगार की रुचि के बारे में भी जानकारी ली गई। कलेक्टर ने कहा कि झाड़ू–टोकरी एवं अन्य बांस उत्पाद निर्माण, खेती–बाड़ी, सब्जी–भाजी उत्पादन तथा मछली पालन जैसे रोजगार के विकल्पों पर समुदाय की रुचि के अनुसार कार्ययोजना बनाई जाए। मछली पालन के इच्छुक परिवारों के लिए डबरी निर्माण की सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उद्यान विभाग को मुनगा एवं हल्दी की पौध उपलब्ध कराने तथा समूह के माध्यम से सब्जी उत्पादन को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। समुदाय की ओर से सिलाई मशीन उपलब्ध कराने की मांग भी रखी गई। बैठक में बिरहोर बस्तियों में पेयजल की समस्या भी सामने आई। पाइपलाइन में खराबी के कारण घरों तक पानी नहीं पहुंचने की जानकारी पर कलेक्टर ने व्यवस्था दुरुस्त कर सभी परिवारों को नल से पानी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने एक गांव का चयन कर सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को संयुक्त रूप से वहां जाकर परिवारों की समस्याओं और जरूरतों का आकलन करने को कहा। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कहा कि बिरहोर समुदाय के विकास के लिए पहले यह समझना जरूरी है कि परिवार वास्तव में क्या करना चाहते हैं। उनकी रुचि और जरूरत के अनुरूप सहायता उपलब्ध कराकर वर्तमान स्थिति को और बेहतर बनाने के लिए जिला प्रशासन समन्वित प्रयास करेगा।

माइनिंग सुपरवाइजरों को दिया जाए चार्ज एलाउंस

कोरबा। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की खदानों में कार्यरत माइनिंग सुपरवाइजरों के लिए एक घंटे के चार्ज अलाउंस की मांग तेज हो गई है। कोयला श्रमिक संघ (सीटू) ने एसईसीएल के चेयरमैन–कम–मैनेजिंग डायरेक्टर और मानव संसाधन निदेशक को पत्र भेजकर सभी माइनिंग सुपरवाइजरों को यह लाभ देने की मांग की है। सीटू ने अपने पत्र में कहा है कि एसईसीएल की सभी उत्पादक खदानों और इकाइयों में कार्यरत माइनिंग सुपरवाइजर उत्पादन के साथ–साथ खदानों में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके बावजूद उन्हें एक घंटे के चार्ज अलाउंस का लाभ नहीं दिया जा रहा है। संघ ने पत्र में उल्लेख किया है कि ईसीएल, बीसीसीएल और कोल इंडिया की अन्य सहायक कंपनियों में माइनिंग सुपरवाइजरों को एक घंटे का चार्ज अलाउंस देने के आदेश जारी किए जा चुके हैं। ऐसे में एसईसएल के माइनिंग सुपरवाइजरों को इसी लाभ से वंचित रखना उचित नहीं है। सीटू का कहना है कि एसईसीएल कोल इंडिया की प्रमुख सहायक कंपनियों में शामिल है और कोयला उत्पादन व डिस्पैच के क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। जब दूसरी सहायक कंपनियों में यह सुविधा दी जा रही है तो एसईसीएल के कर्मचारियों के लिए भी एक समान नीति लागू की जानी चाहिए। संघ ने तर्क दिया है।

सबसे पहले गणेश जी को ही क्यों बांधते हैं राखी?

सनातन परंपरा में श्रीगणेश केवल एक देव नहीं, बल्कि हर शुभ कार्य के निर्विघ्न संपन्न होने की पहली कसौटी हैं। जब बहन अपने भाई की कलाई पर रक्षा का धागा बाँधती है, तो उस पावन अनुष्ठान का आरंभ देवों के देव प्रथम पूज्य गणेश जी के द्वार से ही होता है।

प्रथम पूज्य का सर्वोच्च स्थान: किसी भी मांगलिक कार्य, पूजा या अनुष्ठान में सबसे पहला अधिकार भगवान गणेश का होता है। भाई को राखी बाँधने की रस्म भी एक पवित्र अनुष्ठान है, इसलिए विघ्नहर्ता से अनुमति और आशीर्वाद स्वरूप पहली राखी उन्हें अर्पित की जाती है।

भाई के लिए अभेद्य सुरक्षा चक्र: गणेश जी का एक नाम 'विघ्नहर्ता' है। उन्हें राखी अर्पित कर बहन वास्तव में अपने भाई के जीवन की हर बाधा, संकट और नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने की प्रार्थना करती है।

सद्बुद्धि और सफलता का वरदान: गणपति ज्ञान और विवेक के दाता हैं। उन्हें राखी बाँधने से भाई को सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा, सद्बुद्धि और हर कार्य क्षेत्र में विजय का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

पारिवारिक मूल्यों की डोर: जब गणेश जी ने माता-पिता (शिव-पार्वती) की परिक्रमा कर पूरे ब्रह्मांड का सुख उन्हीं में पाया, तो उन्होंने यह सिद्ध किया कि परिवार से बढ़कर कुछ नहीं। उन्हें राखी बाँधकर भाई-बहन के इस रिश्ते में वही अटूट समर्पण और प्रेम माँगा जाता है।

रक्षाबंधन पर चंद्र ग्रहण का साया! राखी बांधने का शुभ समय और सही मुहूर्त

रक्षाबंधन का पर्व श्रावण मास की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। इस बार राखी पर यानी 28 अगस्त 2026 के दिन चंद्र ग्रहण लगने वाला है। ऐसे में सवाल उठता है कि फिर चंद्र ग्रहण कब से कब तक रहेगा और फिर रक्षा बंधन का त्योहार कब बनाएं? श्रावण पूर्णिमा की शुरुआत 27 अगस्त (गुरुवार) की सुबह 9:08 बजे से हो रही है। श्रावण पूर्णिमा का अंत 28 अगस्त (शुक्रवार) की सुबह 9:48 बजे होगा। उदयातिथि के अनुसार, रक्षाबंधन का पर्व 28 अगस्त को ही मनाया जाएगा।

ग्रहण का प्रारंभ, अंत और प्रभाव

प्रारंभ अंत: 28 अगस्त को चंद्र ग्रहण सुबह 6:55 बजे से शुरू होकर दोपहर 12:30 बजे समाप्त होगा। प्रभाव: यह चंद्र ग्रहण भारत में दृश्य नहीं होगा। शास्त्रों का स्पष्ट विधान है कि जहां ग्रहण दिखाई नहीं देता, वहां उसका सूतक काल मान्य नहीं होता। इसलिए भारत में इसका कोई दोष या अशुभ प्रभाव नहीं पड़ेगा।

राखी बांधने का सबसे शुभ समय:
सर्वश्रेष्ठ मुहूर्त: सुबह 06:23 से लेकर 09:48 के तक।
अभिजीत मुहूर्त: दोपहर 12:14 से लेकर दोपहर 01:05 तक।
गोधूलि मुहूर्त : शाम 06:57 से लेकर शाम 07:19 बजे तक।
चौघड़िया मुहूर्त:
लाभ: सुबह 07:57 से 09:31 तक।
अमृत: सुबह 09:31 से 11:05 तक।
शुभ: दोपहर 12:40 से 02:14 तक।
चर: शाम 05:22 से 06:57 तक।
लाभ: रात्रि 09:48 से 11:14 तक।
राहुकाल: दिन में 11:05 से दोपहर 12:40 तक। इसलिए अभिजीत मुहूर्त में बांधते वक्त इसका ध्यान रखें। संक्षेप में कहें तो चंद्र ग्रहण का कोई भी छाया-दोष भारत में नहीं लग रहा है। बहनें बिना किसी हिचकिचाहट के अपने भाइयों की कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर इस पावन पर्व को पूरे उत्साह के साथ मना सकती हैं।

भाई-बहन के प्यार का प्रतीक रक्षाबंधन

श्रावण माह की पूर्णिमा को रक्षा बंधन का त्योहार मनाया जाता है। यदि भाई और बहन एक समान उम्र के हैं तो उनमें प्यार और तकरार चलती रही है परंतु उन्हें एक दूसरे का दोस्त भी बनना चाहिए।

- आपका भाई या आपकी बहन आपके लिए दुनिया के सर्वश्रेष्ठ दोस्त साबित हो सकते हैं। आज के दौर में लड़की द्वार किसी अन्य से दोस्ती रखना खतरे का खेल भी है।
- भाई या बहन आपके सबसे अच्छे दोस्त तब साबित हो सकते हैं जबकि आप उनके साथ संवाद स्थापित करें और एक दूसरे का ध्यान रखें।
- भाई या बहन के साथ साथ आप अपने सुख-दुःख बांटकर खुश रह सकते हैं।
- भाई ही बहन की मदद करने के लिए हरदम तैयार रहता है और बहन भी भाई की मदद के लिए सदा तत्पर रहती है।
- इस रक्षा बंधन पर भाई के हाथ में बांधें दोस्ती का सूत्र और भाई भी वचन के साथ दोस्ती का नेक दें।
- रक्षाबंधन का दिन ऐसा मौका है, जबकि भाई-बहन गिले-शिकवे भुलाकर आपसी प्यार को बांटते हैं।
- भाई की रक्षा के लिए बहनें उसकी कलाई पर राखी बांधकर उसकी लंबी आयु की कामना करती हैं।
- भाई भी बहन को उपहार देकर उसके सुख-दुःख में साथ देने का वचन देता है।
- इस अनूठे मौके पर अनोखा उपहार देकर अपनी भावनाएं व्यक्त कर सकते हैं।
- कभी कभार चल सकता है कि आप बाहर के लोगों के साथ भी समय बिताएं पर आपको यह ध्यान रखना चाहिए कि अपने तो अपने होते हैं बाकी सब सपने होते हैं। इसीलिए परिवार के सदस्य एक दूसरे को ज्यादा से ज्यादा समय दें और उन्हीं के साथ घूमने फिरने जाएं।

माता-पिता करें ये 10 कार्य, तो बनेगी भाई बहन में अच्छी दोस्ती

- भाई बहन के बीच किसी भी प्रकार का फर्क ना करें।
- दोनों को साथ ही खेलने और शिक्षा प्राप्त करने का मौका दें।
- कोशिश करें के वे साथ में बैठकर ही भोजन करें।
- वो साथ समय बिता सकें इसके लिए एक समय तय कर दें।
- वर्ष में एक या दो बार पूरा परिवरा सैर सपाटे के लिए बाहर जाएं।
- उन्हें एक दूसरे का खयाल रखना सिखाएं और एक दूसरे की मदद करना सिखाएं।
- उनके भीतर पारिवारिक भावना और टीम भावना का विकास करें।
- जब भी वो एक दूसरे के लिए कुछ अच्छा करें, उनकी प्रशांसा करें।
- एक दूसरे के जन्मदिन पर दोनों को ही कुछ करना सिखाएं।
- रक्षाबंधन के त्योहार को हर वर्ष कुछ स्पेशल करें या स्पेशल बनाएं।

रक्षाबंधन की तिलक थाली में क्या-क्या रखना है जरूरी?

रक्षाबंधन भाई-बहनों के पवित्र रिश्ते का प्रतीक है जिसमें बहनें प्यार से अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधती हैं। वहीं भाई अपनी बहनों की रक्षा करने का वादा करते हैं। साथ ही उन्हें उपहार देते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार इस साल यह त्योहार 28 अगस्त को मनाया जाएगा तो चलिए इस दिन से जुड़ी प्रमुख बातों को जानते हैं। रक्षा बंधन, जिसे राखी के नाम से भी जाना जाता है यह एक पारंपरिक हिंदू त्योहार है, जिसका भारत में बहुत अधिक महत्व है। यह पर्व भाई-बहन के बीच के अटूट प्रेम का प्रतीक है। रक्षाबंधन शब्द का अर्थ है - सुरक्षा का बंधन। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, बहनें इस दिन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं और बदले में भाई अपनी बहन की रक्षा करने की कसमें खाते हैं। रक्षाबंधन की थाली में शामिल करें ये चीजें रक्षाबंधन की थाली में रोली, अक्षत, हल्दी, नारियल, राखी, दीपक, मावा से बनी मिठाई या फिर खीर आदि चीजों को शामिल करें। ऐसा कहा जाता है कि इनके बिना पूजा अधूरी होती है। साथ ही इन सभी चीजों का थाली में होना आवश्यक होता है, क्योंकि यह पूजा के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। ऐसा माना जाता है कि ये चीजें समृद्धि और शुभता का प्रतीक है, जिसे शामिल करने से भाई के जीवन में सौभाग्य और खुशहाली आती है।

सावन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को हर साल रक्षाबंधन मनाया जाता है। इस पर्व में अपराह्न व्यापिनी पूर्णिमा तिथि का होना जरूरी है, और भद्रा वर्जित है। पुराणों में भद्रा को सूर्य की पुत्री और शनि की बहन बताया गया है, और किसी भी शुभ कार्य की इसकी उपस्थिति नहीं होनी चाहिए। रक्षा बंधन के दिन सुबह स्नान करके देवता, पितर, और ऋषियों का स्मरण किया जाता है। इसके बाद रक्षा सूत्र (राखी) को गाय के गोबर से लिपे शुद्ध स्थान पर रखकर विधिपूर्वक पूजा की जाती है। फिर रक्षा सूत्र को दाहिने हाथ में बंधवाया जाता है।

सावन पूर्णिमा के दिन करें ये खास उपाय, मिलेगा लक्ष्मी-नारायण का आशीर्वाद

श्रावण पूर्णिमा हिंदू धर्म में एक बहुत ही महत्वपूर्ण त्योहार है। इसे सावन मास की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। यह दिन भगवान शिव को समर्पित होता है और इस दिन भगवान शिव की विशेष पूजा की जाती है। मान्यता है कि श्रावण मास भगवान शिव को प्रिय होता है और इस महीने में की गई पूजा का विशेष फल मिलता है।

श्रावण पूर्णिमा के दिन भगवान शिव की पूजा करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और भक्तों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। श्रावण पूर्णिमा के दिन पवित्र नदियों में स्नान करने का विशेष महत्व है। मान्यता है कि इस दिन स्नान करने से सभी पाप धुल जाते हैं और मन शुद्ध होता है। अब ऐसे में सावन पूर्णिमा के दिन कुछ ऐसे उपाय हैं, जिन्हें करने से व्यक्ति को भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है। आइए इस लेख में ज्योतिषाचार्य पंडित अरविंद त्रिपाठी से विस्तार से जानते हैं।

दांपत्य जीवन सुखमय के लिए उपाय
अगर आप चाहते हैं कि आपका दांपत्य जीवन खुशहाल रहे, तो सावन पूर्णिमा के दिन हाथी की मूर्ति खरीदकर लाएं और इसे अपने बेडरूम के टेबल पर रखें। इससे दांपत्य जीवन सुखमय रहेगा और उत्तम फलों की प्राप्ति होती है।

शत्रुओं से छुटकारा पाने के लिए उपाय

शत्रुओं से छुटकारा पाने के लिए सावन पूर्णिमा के दिन अन्न दान करें और भगवान विष्णु के मंत्रों का जाप विधिवत रूप से करें। ऐसा करने से शत्रुओं से छुटकारा मिल जाता है। साथ ही सौभाग्य में भी वृद्धि होती है।

कार्यक्षेत्र में सफलता प्राप्ति के लिए उपाय

कार्यक्षेत्र में सफलता प्राप्ति के लिए सावन पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु के मंत्रों का जाप विशेष रूप से करें और उन्हें पीले मिठाई का भोग लगाएं। ऐसा करने से कार्यक्षेत्र में सफलता मिलती है।

आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए उपाय

अगर आपको हमेशा आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता है, तो सावन पूर्णिमा के दिन माता लक्ष्मी की पूजा करें और उन्हें सफेद मिठाई का भोग लगाएं। साथ ही माता लक्ष्मी के स्तोत्र का जाप करें। ऐसा करने से आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। इसके अलावा इस दिन चांदी से संबंधित कोई चीज खरीदें और माता लक्ष्मी को अर्पित करें। ऐसा करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है।

सावन पूर्णिमा के दिन इन चीजों के दान से मनोकामनाएं होंगी पूर्ण

सावन पूर्णिमा हिंदू धर्म में एक बहुत ही महत्वपूर्ण और पवित्र त्योहार है। यह दिन भगवान शिव को समर्पित होता है। इस दिन शिव भक्त पूरे विधि-विधान से भगवान शिव की पूजा करते हैं। ऐसी मान्यता है कि सावन के महीने में भगवान शिव भक्तों पर विशेष कृपा बरसाते हैं। पूर्णिमा के दिन यह कृपा और भी बढ़ जाती है। इस दिन पवित्र नदियों में स्नान करने और दान करने से पापों का नाश होता है। सावन पूर्णिमा के दिन भगवान शिव की पूजा करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

सावन पूर्णिमा के दिन करें अन्न दान

सावन पूर्णिमा हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण पर्व है। इस दिन भगवान शिव की विशेष पूजा की जाती है। मान्यता है कि इस दिन दान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है और व्यक्ति के सभी पाप धुल जाते हैं। सावन पूर्णिमा के दिन अन्न दान करना उत्तम माना गया है। इसलिए सावन पूर्णिमा के दिन अन्न दान जरूर करें।

सावन पूर्णिमा के दिन करें गुड़ दान

सावन पूर्णिमा के दिन गुड़ का दान करने उत्तम माना गया है। इस दिन गुड़ का दान करने से व्यक्ति को कभी परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ता है और अक्षय फल की भी प्राप्ति होती है। सावन पूर्णिमा के दिन करें तिल का दान सावन पूर्णिमा के दिन तिल का दान करने से ग्रहदोष से छुटकारा मिल जाता है। साथ ही व्यक्ति को कभी परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ता है। ऐसी मान्यता है कि तिल का दान करने से पितृदोष दूर होता है और पितरों को मुक्ति मिलती है। तिल को धन का प्रतीक माना जाता है। इसलिए, तिल का दान करने से धन में वृद्धि होती है।

सावन पूर्णिमा के दिन करें सफेद चीजों का दान

सावन पूर्णिमा के दिन सफेद चीजों का दान करना शुभ माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार, सफेद चीजों का दान करने से पितृदोष दूर होता है और पितरों को शांति मिलती है। साथ ही उत्तम परिणाम भी मिलते हैं।

क्या होती है वैदिक राखी?

धार्मिक महत्व और भाई के लिए क्यों हैं शुभ

रक्षाबंधन का त्योहार बेहद खास होता है। इस दिन बहन अपने भाई को राखी बांधती। साथ ही, उसकी लंबी आयु की कामना करती हैं। इसलिए यह त्योहार काफी खास होता है। इस साल की राखी केवल एक धागा नहीं, बल्कि संस्कार, संरक्षण और सद्भाव का सूत्र बना सकती हैं। इसलिए इस बार आप वैदिक राखी के तौर पर बना सकते हैं।

क्या होती है वैदिक राखी?

- वैदिक राखी का पहले के समय में काफी इस्तेमाल की जाती थी। दूर्वा याने घास, अक्षत, चंदन, सरसों और केसर को मिलाकर जो राखी बनाई जाती है, उसे ही वैदिक राखी कहते हैं। ऐसा कहा जाता है कि इसमें कई सारे तत्वों को मिलाकर एक रक्षा सूत्र बनाया जाता है, जो भाई के लिए बेहद खास होता है।
- वैदिक राखी नें इस्तेमाल हुई चीजों का अर्थ क्या है
- वैदिक राखी में दूर्वा का इस्तेमाल किया गया है, जो जीवन में स्थिरता, दीर्घायु और विघ्ननाश का कारक होती है।
- अक्षत जिसे अखंड का प्रतीक माना जाता है। इसका इस्तेमाल भी वैदिक राखी में होता है।
- केसर वैदिक राखी की ऊर्जा को और ज्यादा बढ़ाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इसे अग्नि तत्व कहा जाता है।
- चंदन मन को शांति देता है। साथ ही, विवेक, शुद्ध बुद्धि को बढ़ाता है। इसलिए इसका इस्तेमाल भी वैदिक राखी में किया जाता है।
- सरसों के दाने शनि दोष से सुरक्षा, दुष्ट दृष्टि से बचाव करता है। इससे वैदिक राखी और खास हो जाती है।

वैदिक राखी को कैसे बांधे?

- एक शुद्ध लाल या पीला धागा लें।
- ऊपर दिए गए तत्वों को श्रद्धा और मंत्र के साथ रक्षा-सूत्र में जोड़ें या स्पर्श कराएं।
- भाई को तिलक लगाकर आरती करें।
- राखी बांधते समय यह रक्षा मंत्र बोलें
- येन बद्धो बली राजा दानवेन्द्रो महाबल:। तेन त्वामभिबध्नामि रक्षे मा चल मा चल॥

वैदिक राखी भाई के लिए क्यों हैं शुभ?

इस बार आप वैदिक राखी को बनाकर अपने भाई को पहनाएं। इससे उसकी आयु और पॉजिटिव एनर्जी बढ़ेगी। साथ ही, जीवन में आने वाली समस्याएं दूर हो जाएंगी। इसलिए आप भाई को वैदिक राखी को बांधे।

रक्षाबंधन के लिए कैसी हो राखी

रक्षाबंधन के दिन बहनों को ऐसी राखी का चुनाव करना चाहिए, जो देखने में सुंदर, कच्चे धागे, रेशम आदि की बनी हो. प्लास्टिक से बनी राखी का उपयोग न करें. भूरे और काले रंग की राखी न बांधें. आजकल चांदी और सोने की राखी भी चलन में हैं, उसे भी बांध सकती हैं. हालांकि यह सभी के लिए संभव नहीं है.

जिला पंचायत सामान्य सभा में स्कूल, किसान, पेयजल, सड़क, आंगनबाड़ी और राशन व्यवस्था के मुद्दे उठाए, खनिज विभाग की लगातार गैरहाजिरी पर भी मांगा जवाब

जनहित के मुद्दों पर कीर्ति नायक का सख्त रुख, पाटन के विकास को लेकर विभागों से मांगा हिसाब

पाटन। पाटन विकासखंड के विकास और ग्रामीणों की मूलभूत जरूरतों को लेकर जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक ने जिला पंचायत दुर्ग की सामान्य सभा में अपना सख्त और स्पष्ट रुख रखा। 25 अगस्त 2026 को आयोजित बैठक में उन्होंने पाटन क्षेत्र से जुड़े जनहित के विभिन्न मुद्दों को मजबूती से उठाते हुए संबंधित विभागों से केवल जानकारी नहीं, बल्कि जवाबदेही, समयबद्ध कार्रवाई और धरातल पर परिणाम की मांग की।श्रीमती नायक ने स्पष्ट कहा कि पाटन के विकास से जुड़े विषय केवल कागजी औपचारिकता तक सीमित नहीं रहना चाहिए। जनता को योजनाओं और विकास कार्यों का वास्तविक लाभ जमीन पर दिखाई देना चाहिए। इसी उद्देश्य से उन्होंने विभागवार लंबित कार्यों की स्थिति, की गई कार्रवाई और आगामी

कार्ययोजना की जानकारी मांगी। स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान श्रीमती कीर्ति नायक ने पाटन क्षेत्र के शासकीय विद्यालयों में जर्जर शाला भवन, अतिरिक्त कक्ष, शौचालय, पेयजल, विद्युत व्यवस्था, बाउंड्रीवाल एवं फर्नीचर की उपलब्धता और वर्तमान स्थिति का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि बच्चों के भविष्य और सुरक्षा से जुड़े विषयों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जा सकती। उन्होंने सुविधाओं से वंचित विद्यालयों की विद्यालयवार जानकारी, लंबित कार्यों, अब तक की गई कार्रवाई तथा प्रस्तावित कार्ययोजना उपलब्ध कराने की मांग की तथा संबंधित विभागीय अधिकारी से 07 दिवस के भीतर लिखित प्रतिवेदन प्रस्तुत करने को कहा। कृषि विभाग की समीक्षा में अध्यक्ष ने पाटन क्षेत्र के किसानों को ट्रैक्टर, रोटावेटर, थ्रेशर, स्प्रिंकलर, ड्रिप सिंचाई उपकरण, पंपसेट एवं अन्य कृषि यंत्रों पर दिए जा रहे अनुदान की स्थिति की जानकारी मांगी। उन्होंने किसानवार एवं यंत्रवार स्वीकृति, वितरित यंत्रों की संख्या, अनुदान राशि तथा लंबित आवेदनों का पूरा विवरण प्रस्तुत करने को कहा। साथ ही पात्र किसानों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए विभाग द्वारा की गई कार्रवाई की जानकारी भी मांगी। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र किसान तक पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से पहुंचना चाहिए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से पाटन क्षेत्र में स्वीकृत, प्रगतिरत, पूर्ण एवं अपूर्ण पेयजल कार्यों की ग्रामवार एवं कार्यवार जानकारी मांगी गई। अध्यक्ष ने लंबित कार्यों के कारण, वर्तमान स्थिति और उनके निराकरण के लिए प्रस्तावित समयबद्ध कार्ययोजना की जानकारी भी प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने कहा कि पेयजल हर परिवार की मूलभूत आवश्यकता है, इसलिए इससे जुड़े कार्यों में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए।ग्रामीणों की आवागमन सुविधा को ध्यान में रखते हुए श्रीमती नायक ने ग्राम सांतरा से छाटा, ग्राम सिकोला से ठकुराइन टोला एवं ग्राम गुजरा से मटिया तक नवीन सड़क निर्माण कार्यों को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत स्वीकृति हेतु प्रस्तावित करने की मांग रखी। उन्होंने संबंधित विभाग से इन मार्गों का सर्वेक्षण एवं आवश्यक प्राक्कलन तैयार कर शासन स्तर पर स्वीकृति हेतु प्रस्ताव भेजने की कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़कें ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और रोजगार से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा में अध्यक्ष ने पाटन क्षेत्र के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में भवन, मरम्मत, पेयजल, शौचालय, विद्युत, फर्नीचर एवं बाउंड्रीवाल जैसी मूलभूत सुविधाओं की केंद्रवार स्थिति मांगी।

रक्षा बंधन का त्यौहार और महतारी वंदन योजना का संगम लाया खुशियों की बयार

दुर्ग। राखी का त्यौहार और महतारी वंदन योजना की सौगातों का अनूठा संगम इस बार दुर्ग की पद्मनाभपुर निवासी श्वेता कन्नौजिया के जीवन में खुशियों की नई बयार लेकर आया है। राज्य सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना ने ग्रामीण क्षेत्रों के साथ साथ शहरी महिलाओं को भी संबल देकर स्वावलंबन का एक नया मार्ग दिखाया है। श्वेता बताती हैं कि महतारी वंदन योजना से हर माह मिलने वाली सहायता राशि से वे अपनी छोटी-बड़ी जरूरतों की पूर्ति करतीं हैं, और इस बार रक्षाबंधन पर्व से पहले इस अग्रिम उपहार राशि के मिलने से त्योहार और भी खास हो गया है। त्यौहार की तैयारियों और बहनों की खुशियों का ध्यान रखते हुए मुख्यमंत्री, हमारे विष्णु भैया ने एक संवेदनशील भाई का फर्ज निभाया है। उन्होंने महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त, अग्रिम रूप से जारी कर रक्षाबंधन को बेहद खास बना दिया है। समय से पहले खाते में राशि पहुँचने से गदगद श्वेता कन्नौजिया बताती हैं कि इस राशि का उपयोग वे अपने बच्चों के लिए सुंदर कपड़े, मिठाइयाँ और त्यौहार का सामान खरीदने में करेंगी। उन्होंने कहा विष्णु भैया से मिला यह अग्रिम तोहफा और भरोसे का साथ मुझ बहन के लिए सबसे बड़ा संबल है।

दुर्ग में क्रांतिकारी सुखदेव राज की प्रतिमा का भव्य अनावरण, मंत्री, सांसद, विधायक और महापौर हुए शामिल

दुर्ग। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ की जिला इकाई दुर्ग द्वारा देशप्रेम, सामाजिक समरसता और राष्ट्रनायकों के सम्मान की दिशा में एक अनुकरणीय पहल करते हुए महान क्रांतिकारी सुखदेव राज की प्रतिमा शासकीय आदर्श कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, दुर्ग के परिसर में स्थापित की गई। महान क्रांतिकारी शिवराम राजगुरु की जयंती के अवसर पर सोमवार को आयोजित भव्य समारोह में प्रतिमा का अनावरण छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा मंत्री एवं दुर्ग शहर विधायक गजेंद्र यादव ने किया। कार्यक्रम में दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल, अहिवारा विधायक एवं छत्तीसगढ़ अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डोमन लाल कोर्सेवाड़ा, दुर्ग नगर निगम की महापौर मती अलका बाघमार, अरुण वोरा पूर्व विधायक दुर्ग, भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय महामंत्री वीरेन्द्र नामदेव, शाला प्रबंधन समिति की अध्यक्ष झरना वर्मा, वार्ड पार्षद

सरिता चंद्राकर सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने रिमोट कंट्रोल के माध्यम से क्रांतिकारी सुखदेव राज की प्रतिमा का अनावरण किया। प्रतिमा के अनावरण के साथ ही उपस्थित लोगों ने महान क्रांतिकारी को श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस अवसर पर भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ की ओर से प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय महामंत्री वीरेन्द्र नामदेव ने स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव को ज्ञापन सौंपकर महान क्रांतिकारी सुखदेव राज की जीवनगाथा एवं उनके राष्ट्र तथा समाजसेवा संबंधी कार्यों को राज्य के स्कूल पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग रखी। नामदेव ने कहा कि सुखदेव राज का जीवन त्याग, संघर्ष, राष्ट्रप्रेम और समाजसेवा की प्रेरणादायी मिसाल है तथा नई पीढ़ी को ऐसे महान व्यक्तित्वों के जीवन से परिचित कराना आवश्यक है। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने इस मांग पर सकारात्मक पहल करने का भरोसा दिलाया। वहीं प्रतिमा की सुरक्षा एवं संरक्षण के संबंध में ध्यान आकर्षित किए जाने पर उन्होंने प्रतिमा स्थल पर शेड निर्माण कराने की घोषणा भी की।

लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के साथ शत-प्रतिशत आयुष्मान एवं वय वंदना कार्ड बनाने कलेक्टरने दिए निर्देश

कलेक्टर ने ली समय-सीमा की बैठक

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध एवं पारदर्शी कार्यप्रणाली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन, जनदर्शन एवं पीजीएन पोर्टल पर लंबित आवेदनों की विभागवार समीक्षा करते हुए सभी प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने को कहा। कलेक्टर सिंह ने ई-एचआरएमएस के क्रियान्वयन की भी जानकारी ली। जिन विभागों में ई-एचआरएमएस की प्रक्रिया अभी पूर्ण नहीं हुई है, उन्हें एनआईसी से संपर्क कर प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त करते हुए कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आयुष्मान कार्ड एवं वय वंदना कार्ड की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी पात्र हितग्राहियों के शत-प्रतिशत कार्ड बनाने के निर्देश दिए। बैठक में आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति की भी समीक्षा की गई। महिला एवं बाल विकास अधिकारी ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में 28 आंगनबाड़ी केंद्र जर्जर स्थिति में हैं। कलेक्टर ने जर्जर आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण के लिए संबंधित अधिकारियों

को नरेगा एवं विकसित भारत जी-राम जी योजना के तहत आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी विभागों के लंबित बिजली बिलों का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने ट्रेजरी अधिकारी को विभागवार बिजली बिल मद में उपलब्ध बजट की सूची तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि लंबित देयकों के भुगतान की स्थिति स्पष्ट हो सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बिजली बिल मद में उपलब्ध बजट से लंबित बिजली बिलों का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करें। बैठक में सहकारी समितियों के लिए भू-आबंटन की स्थिति की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने आवश्यक कार्यवाही करते हुए शीघ्र भू-आबंटन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पुलिस विभाग द्वारा साइबर क्राइम मुक्त छत्तीसगढ़ के उद्देश्य से 15 अगस्त से 2 अक्टूबर तक अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से नागरिकों एवं कर्मचारियों को डिजिटल सुरक्षा, ऑनलाइन धोखाधड़ी तथा साइबर अपराधों से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर अधिकारियों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता की शपथ दिलाई गई। पुलिस विभाग ने नागरिकों से साइबर ठगी का शिकार होने पर तत्काल राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की अपील की। अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अभियान को जन-जन तक पहुंचाने में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा साइबर सुरक्षा जागरूकता से संबंधित सेल्फी अपलोड कर अभियान को व्यापक बनाने के लिए प्रेरित किया गया। बैठक में जिला पंचायत सीईओ बजरंग दुबे, अपर कलेक्टर मती योगिता देवांगन, अपर कलेक्टर वीरेन्द्र सिंह, अपर कलेक्टर हरवंश मिरी, नगर निगम रिसाली आयुक्त मोनिका वर्मा, नगर निगम चरोदा आयुक्त दशरथ राजपूत, एसडीएम लवकेश ध्रुव, एसडीएम महेश राजपूत, एसडीएम उत्तम ध्रुव, एसडीएम प्रफुल्ल गुप्ता, डिप्टी कलेक्टर सोनाल डेविड, सहित समस्त विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

राखी का अग्रिम तोहफा पाकर ललिता बहन के चेहरे पर आई खुशी

दुर्ग। भाई-बहनों के अटूट प्रेम और स्नेह का प्रतीक रक्षाबंधन का त्यौहार इस बार प्रदेश की महिलाओं के लिए खुशियों की नई सौगात लेकर आया है। इस पावन पर्व पर राज्य सरकार की 'महतारी वंदन योजना' प्रदेश की बहनों के जीवन में समृद्धि और स्वावलंबन का नया रंग भर रही है। इसी उमंग की एक सुंदर तस्वीर पाटन के वार्ड नंबर 16 (ग्राम खुड़मुड़ा) में देखने को मिलती है, जहाँ की निवासी ललिता साहू के चेहरे पर आज एक अलग ही खुशी और संतोष की झलक है। ललिता बहन बताती हैं कि महतारी वंदन योजना केवल एक आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि यह बहनों के आत्मसम्मान का प्रतीक है, जिससे वे अपने परिवार की जरूरतों और बच्चों की पढ़ाई-लिखाई को आसानी से पूरा कर पा रही हैं। रक्षाबंधन के इस विशेष अवसर को बहनों के लिए और भी खास बनाते हुए, प्रदेश के मुख्यमंत्री, हमारे विष्णु भैया ने एक भाई का फर्ज निभाते हुए

यह अनूठा उपहार दिया है। राखी त्यौहार की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए उन्होंने महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त, जो अमूमन सितंबर माह में मिलती, उसे बहनों के खातिर 25 अगस्त को ही जारी कर रक्षा-बंधन का बेहद खूबसूरत उपहार प्रदान किया है। त्यौहार से ठीक पहले मिली इस अग्रिम राशि से गदगद ललिता जी कहती हैं कि भाई के इस स्नेह ने रक्षाबंधन के उत्सव को दोगुना रंगीन बना दिया है। सचमुच, बहनों के मान और विष्णु भैया के सम्मान से महिलाएं सशक्तिकरण से समृद्ध की ओर बढ़ रही है।

बोरसीभाठा में वन महोत्सव 2026 का भव्य आयोजन, 12 हेक्टेयर में रोपे गए 3,500 पौधे

- विद्यार्थियों और अधिकारियों ने पौधों को रक्षासूत्र बाँधकर लिया संरक्षण का संकल्प

दुर्ग। हरित आवरण को बढ़ावा देने तथा पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से बोरसीभाठा (दुर्ग) में 'वन महोत्सव 2026' का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। वन विभाग दुर्ग वनमंडल द्वारा आयोजित इस महाअभियान के तहत 12 हेक्टेयर के विशाल क्षेत्र में कुल 3,500 फलदार एवं छायादार पौधों का विधिवत रोपण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधि विधायी कार्य विभाग के माननीय मंत्री गजेन्द्र यादव, दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के माननीय सांसद विजय बघेल तथा दुर्ग (ग्रामीण) विधायक एवं राज्य ग्रामीण व अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर की गरिमामयी उपस्थिति रही। जनप्रतिनिधियों ने स्वयं पौधरोपण कर

आमजन से प्रकृति संवर्धन में सक्रिय सहभागी बनने और रोपे गए पौधों के सुरक्षा व देखभाल की भावुक अपील की। इस हरित अभियान को लेकर स्कूली बच्चों और स्थानीय नागरिकों में भारी उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में जूनियर रेडक्रास, भारत स्काउट एवं गाइड, रोवर रेंजर्स के विद्यार्थियों, विभिन्न स्कूलों के शिक्षकों तथा स्थानीय नागरिकों सहित लगभग 500 प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर एक अनोखी पहल करते हुए भारत स्काउट एवं गाइड दुर्ग की ओर से पौधों की सुरक्षा हेतु रक्षासूत्र उपलब्ध कराए गए। जिन्हें स्कूली बच्चों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा नवरोपित पौधों पर बाँधकर उनके संरक्षण का अटूट संकल्प लिया गया। समारोह में मुख्य वन संरक्षक (दुर्ग वृत्त) मती एम. मर्सिबेला, अपर कलेक्टर हरवंश सिंह मिरी, एस.डी.एम. (दुर्ग शहर) प्रफुल्ल गुप्ता, तहसीलदार क्षमा यदु तथा प्रभारी वनमंडलाधिकारी जितेन्दर कुमार सहित वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

कौही में गूंजा हर-हर महादेव, मानव श्रृंखला बनाकर हजारों शिवभक्तों ने किया महादेव का जलाभिषेक

पाटन। दुर्ग जिला अंतर्गत पाटन ब्लॉक के ग्राम कौही स्थित आनंदमठ मंदिर में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी श्री महाकाली श्री हनुमान मंदिर परिषद के तत्वावधान में 24 अगस्त को बोल बम कांवड़ यात्रा के संयोजन में विशाल जलाभिषेक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान जिलेभर से बड़ी संख्या में शिवभक्त शामिल हुए और भगवान महादेव का जलाभिषेक कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम के दौरान खारून नदी से शिवभक्तों ने मानव श्रृंखला बनाकर जल उठाया। एक-दूसरे के हाथों में बाल्टियां आगे बढ़ाते हुए श्रद्धालुओं ने नदी का पवित्र जल आनंदमठ मंदिर तक पहुंचाया और हजारों शिवभक्तों के हाथों से भगवान महादेव का सामूहिक जलाभिषेक किया गया। इस दौरान पूरा क्षेत्र हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारों से गूंज उठा। बताया गया कि ग्राम कौही सहित सुपेला, सिलघट,

गाड़ा डीह,सेमरा, बोरेंदा एवं आसपास के क्षेत्रों के शिवभक्त विगत कई वर्षों से इस जलाभिषेक आयोजन में सक्रिय रूप से शामिल होते आ रहे हैं। प्रारंभिक दौर में महाप्रसादी से शुरू हुआ यह सावन मेला महोत्सव अब विशाल भंडारे का रूप ले चुका है। जिलेभर से आने वाले शिवभक्त जलाभिषेक में शामिल होने के साथ भोजन प्रसादी ग्रहण कर अपने निवास के लिए रवाना होते हैं। इस भव्य आयोजन में जनप्रतिनिधियों के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता रही। जनपद पंचायत सभापति रवि सिंह भी सिद्धेश्वर महादेव, ग्राम ओदरागहन से कांवड़ यात्रा के साथ आनंदमठ मंदिर कौही पहुंचे और सैकड़ों शिवभक्तों के साथ भगवान महादेव का जलाभिषेक किया। इस अवसर पर क्षेत्र की जिला पंचायत सभापति कल्पना नारद साहू, जनपद पंचायत पाटन अध्यक्ष कीर्ति नायक, जनपद उपाध्यक्ष कमलेश वर्मा, मंदिर समिति के अध्यक्ष योगेशर साहू , सरपंच लीना साहू सहित क्षेत्र के वरिष्ठजन, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में शिवभक्त उपस्थित रहे।

नगर पालिका परिषद अमलेश्वर अंतर्गत 3 सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण हेतु 1.050 हेक्टेयर शासकीय भूमि आबंटित

- ग्राम अमलेश्वर, भोथली और खुड़मुड़ा में बनेगा एसटीपी, प्लांट निर्माण से क्षेत्रवासियों को मिलेगा स्वच्छ पर्यावरण

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी निर्देशों तथा राजस्व पुस्तक परिपत्र (आरबीसी) 4-1 की कंडिका 26 में निहित प्रावधानों के तहत नगर पालिका परिषद अमलेश्वर में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के निर्माण हेतु शासकीय भूमि के आबंटन की स्वीकृति प्रदान की है। जारी आदेश के अनुसार, तहसील पाटन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले तीन विभिन्न ग्रामों में स्थित कुल 1.050 हेक्टेयर शासकीय भूमि एक रुपए प्रति वर्गफीट की दर से निर्धारित मूल्य राज्य कोष में जमा कराए जाने के उपरांत बिना भू-भाटक के नगर पालिका परिषद अमलेश्वर को हस्तांतरित की गई है। आबंटित भूमि के विवरण के अनुसार, ग्राम अमलेश्वर (पटवारी हल्का नंबर 03) स्थित खसरा नंबर 671/2 का 0.050 हेक्टेयर (5,380 वर्गफीट) भाग निर्धारित मूल्य 5,380 रुपए, ग्राम भोथली (पटवारी हल्का नंबर 03) स्थित खसरा नंबर 137/1 का 0.800 हेक्टेयर (86,111 वर्गफीट) भाग निर्धारित मूल्य 86,111 रुपए, तथा ग्राम खुड़मुड़ा (पटवारी हल्का नंबर 03) स्थित खसरा नंबर 530 का 0.200 हेक्टेयर (21,520 वर्गफीट) भाग निर्धारित मूल्य 21,520 रुपए जमा कराए जाने पर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण प्रयोजनार्थ स्वीकृत किया गया है। उक्त भूमि का आबंटन कड़े प्रशासनिक प्रतिबंधों एवं शर्तों के अधीन किया गया है। जारी आदेश में यह स्पष्ट किया गया है कि आवंटित भूमि का उपयोग केवल सार्वजनिक जनउपयोगी कार्य एवं निर्धारित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण हेतु ही किया जाएगा, और अन्य किसी प्रयोजन में उपयोग किए जाने अथवा शर्त का उल्लंघन होने की स्थिति में आबंटन स्वतः निरस्त माना जाएगा। इसके अतिरिक्त, आबंटित भूमि के विक्रय अथवा व्यावसायिक हस्तांतरण पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा तथा नगर पालिका परिषद एवं नगर तथा ग्राम निवेश विभाग, दुर्ग द्वारा निर्धारित समस्त वैधानिक प्रावधानों का अनुपालन अनिवार्य होगा।

महिला आईटीआई कॉलेज दुर्ग में वित्तीय साक्षरता एवं सायबर जागरूकता शिविर संपन्न

दुर्ग। महिला आईटीआई कॉलेज दुर्ग में वित्तीय साक्षरता एवं सायबर जागरूकता शिविर किया गया। जिसमें बजट, बचत, निवेश, म्यूचुअल फंड, स्टॉक मार्केट, शेयर मार्केट, एसआईपी, सावधि जमा खाता, केवाईसी, आवर्ती जमा खाता, क्रेडिट स्कोर, विविधिकरण, यूपीआई, जनसुरक्षा योजना, सुकन्या समृद्धी योजना, पीएम सुरक्षा बीमा योजना, पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना, सायबर ठगी, डिजिटल अरेस्ट, ओटीपी फ्रॉड, नौकरी फ्रॉड, एपीके फाइल से बचाव, पार्सल डिलीवरी फ्रॉड म्यूल फ्रॉड आदि सभी फ्रॉड एवं उनसे बचाव के बारे में एवं साइबर क्राइम टोल फ्री नंबर 1930 के बारे मे विस्तृत जानकारी दी गयी। बैंकिंग लोकपाल शिकायत प्रणाली सी.एम.एस. पोर्टल, भारतीय रिजर्व बैंक शिकायत प्रबंधन 14448, डिजिटल बैंकिंग, एटीएम का उपयोग, डिजिटल बैंकिंग, एजुकेशन लोन, मुद्रा लोन के बारे में जानकारी दिया गया । कार्यक्रम में बैंक ऑफ बड़ौदा से गजेंद्र मुदलीयार, लेखराम ध्रुव एफएलसी दुर्ग, सेबी रायपुर से रवि आर्य एवं प्रचार्य गोरख प्रसाद, शिक्षकगण उपस्थित रहें।

राखी की अग्रिम सौगात से सुशीला देवांगन के घर बढ़ा त्यौहार का उत्साह

दुर्ग। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर दुर्ग के ग्राम बोरसी की निवासी सुशीला देवांगन के घर इस बार खुशियाँ और भी दोगुनी हो गई हैं। प्रदेश सरकार की 'महतारी वंदन योजना' ने इस शुभ अवसर पर सुशीला जैसी कई गृहणियों के जीवन में स्वावलंबन और आर्थिक निश्चिंतता की नई रोशनी बिखेरी है।

सुशीला मुस्कुराते हुए कहती है- ''वैसे तो हर बार यह आर्थिक सहयोग राशि हमें योजना के तहत प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की ओर से मिलती है, लेकिन इस बार का यह उपहार बहुत खास है। क्योंकि इस बार यह राशि केवल एक सरकारी योजना का लाभ नहीं, बल्कि हम बहनों को हमारे 'विष्णु भैया' की ओर से भेजा गया राखी का स्नेह है, ताकि उनकी बहनों का त्यौहार और भी रंगों और खुशियों से भर सके।'' एक सच्चे भाई का फर्ज निभाते हुए मुख्यमंत्री विष्णु भैया ने राखी के त्यौहार पर प्रदेश की बहनों के लिए स्नेह की यह सौगात भेजी है। बहनों को त्यौहार की तैयारियाँ करने में कोई कमी न रहे, इसी सोच के साथ महतारी वंदन योजना की इस किस्त को समय से पहले ही बहनों के खातों में हस्तांतरित कर रक्षाबंधन का अमूल्य उपहार सौंपा गया है। सुशीला का कहना है कि भाई का यह स्नेह और अधिकार का सम्मान ही उनके परिवार को आत्मनिर्भर और खुशहाल बना रहा है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com